+ वर्ष -01 + अंक- 01 + दुर्ग, गुरूवार 15 जनवरी 2026 + + पृष्ठ- 08 + मूल्य- 2 रुपए + संपादक- अलोक तिवारी + PRGI Reg No : CTHIN/25/A3746

सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

खबर आलोक

खबर आलोक के सम्पादक

उन्मुक्त

कलम के सिपाही

श्री आलोक तिवारी को

सांध्य दैनिक समाचार पत्र

नई दृष्टि बिंदु

प्रकाशन के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामना !

अनेकश: बधाई

आरोग्यम् की उपचार विधियां

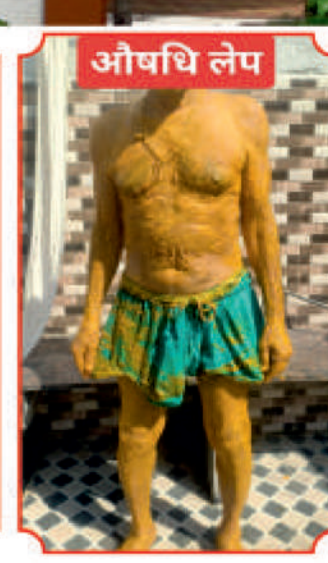

-:जटिल एवं असाध्य रोगों से छुटकारा:-

अनिद्रा	लकवा	घुटने का दर्द
ब्लडप्रेशर	गर्दन दर्द	त्वचा रोग
कोलेस्ट्राल	कमर दर्द	अर्थराइटिस
डाइबिटिज	सायटिका	सोना बाथ
माइग्रेन	पैरों का सुन्नापन	स्टीम बाथ
एसिडिटी	पैरों का झुनझुनी	मिट्टी चिकित्सा
कब्ज	मोटापा	सामान्य पंचकर्म
गैस	यूरिक एसिड	हाइड्रो थेरेपी

यांत्रिकी चिकित्सा : एक्यूप्रेसर : एक्यूपंचर : सम्पूर्ण एवं समग्र प्राकृतिक योग चिकित्सा हेतु संपर्क करें – मो0 8839328101, 9893786512

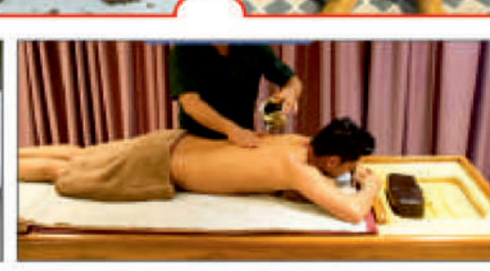

आरोग्यम् अलंकरण एवं जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह, आरोग्यम् नगपुरा

भिलाई में संस्कृति से सुरक्षा की ओर थीम पर मकर संक्रांति के अवसर पर भव्य पतंग महोत्सव का हुआ आयोजन

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई में बुधवार को यातायात सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत दुर्ग पुलिस द्वारा हेलिपैड ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में संस्कृति से सुरक्षा की ओर थीम पर मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग महोत्सव का भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य सांस्कृतिक परंपराओं को सड़क सुरक्षा के संदेश से जोड़ते हुए नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी एवं अनुशासन की भावना को सशक्त करना रहा। कार्यक्रम में दुर्ग संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, दुर्ग रेंज पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग, दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल एवं यातायात सलाहकार दिनेश टांक की गरिमामयी उपस्थिति रही। दुर्ग संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर द्वारा अपने उद्बोधन में विभिन्न देशों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नागरिकों को अनुशासित यातायात व्यवस्था, नियमों के पालन एवं सड़क सुरक्षा को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल द्वारा नागरिकों को वाहन चलाते समय हेलमेट के अनिवार्य उपयोग, सीट बेल्ट के प्रयोग, ड्रिंक एंड ड्राइव से पूर्णतः परहेज करने तथा अन्य सभी यातायात नियमों के कड़ाई से पालन के संबंध में जागरूक किया गया। अपने संबोधन के पश्चात पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त नागरिकों एवं बच्चों को सदैव हेलमेट पहनने, वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने तथा सभी यातायात नियमों का पालन करने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। दुर्ग रेंज पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग द्वारा सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सुरक्षित, संयमित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन पर विशेष बल दिया गया। दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों को 18 वर्ष की आयु से पूर्व वाहन चलाने की अनुमति न दें तथा दोपहिया वाहन पर हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में देव संस्कृति स्कूल की छात्राओं द्वारा देश के विभिन्न शास्त्रीय नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिन्हें दुर्ग पुलिस द्वारा मोमेंटो एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। यातायात जागरूकता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों, जिनमें दिशा इंस्टिट्यूट, वायआई से हर्ष जैन, आशु पांडे, वसीम खान सहित अन्य सहभागी सम्मिलित रहे, को स्मृति पदक एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विंटेज वाहनों की झांकी आम नागरिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

दुर्ग। जिला पंचायत सभाकक्ष में बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता में जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत ग्राम पंचायतों में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि सप्ताह में तीन दिवस नोडल अधिकारी, पंचायत सचिव एवं आवास मित्र संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा के भीतर 90 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत जियो-टैगिंग सहित समस्त निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास मित्र की तय की गई।

साथ ही जियो-ट्रैकिंग समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किसी हितग्राही की मृत्यु की स्थिति में संबंधित प्रकरण तत्काल ग्राम पंचायत स्तर पर तैयार कर सचिव द्वारा शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जिन हितग्राहियों द्वारा निर्माण कार्य में रुचि नहीं ली जा रही है अथवा निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उनके विरुद्ध ऋष्ट प्रकरण दर्ज किया जाए। साथ ही अपूर्ण एवं प्रारंभ न किए गए निर्माण कार्यों के मामलों में राजस्व विभाग के माध्यम से वसूली की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायत कोकड़ी के सचिव एवं रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं ग्राम पंचायत झमेन्द्र के देखमुख बी.ओ.एफटी. द्वारा 21 दिवस तक जियो-टैगिंग नहीं किए जाने पर वेतन रोकने की कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बैठक में अनुपस्थित रहने पर श्री गौरव रामटेके एवं कृष्णा सिंघा, उप अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को नोटिस जारी करने तथा ग्राम पंचायत चिंगरी के सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

कांग्रेसी सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने फैला रही भ्रम, बैठकों का क्रम निरंतर जारी है - कीर्ति नायक

पाटन। जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कांग्रेसी नेताओं व सदस्यों द्वारा मीडिया के माध्यम से जनपद अध्यक्ष और सीईओ के मध्य मन मुटाव के कारण तीन माह के बैठक नहीं होने का खंडन किया है।जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कहा कि सामान्य सभा की बैठक को लेकर कांग्रेसियों द्वारा फैलाया जा रहा भ्रम पूरी तरह तथ्यहीन और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। कांग्रेस केवल अपनी गिरती हुई लोकप्रियता को बचाने के लिए सस्ती राजनीति कर रही है। वास्तविकता यह है कि जनपद पंचायत पाटन की सामान्य सभा की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गई हैं।

जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कहा कि 26 नवंबर 2025 को अंतिम बैठक हुई है और उसके पहले भी नियमित बैठक हुई है। जनपद पंचायत सीईओ को स्क्रूक का नोडल अधिकारी बनाया गया और विभाग के अधिकांश अधिकारी स्क्रूक में व्यस्त थे इसलिए दिसम्बर माह का बैठक नहीं हो पाया है। आगे उन्होंने कहा कि स्क्रूक एक जरुरी प्रक्रिया है इसलिए स्क्रूक को प्राथमिकता दिया गया था ताकि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित ना हो जाए। इसके लिए पूरा प्रशासनिक अमला लगा हुआ था। जनपद पंचायत अध्यक्ष नायक ने आगे कहा कि जनपद पंचायत के बैठकों में विकास कार्यों, योजनाओं की प्रगति, जनसमस्याओं तथा प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाती है। आगे फिर उन्होंने दोहराते हुए कहा कि दिसंबर माह में बैठक नहीं होने का कारण भी पूर्णतः स्पष्ट और प्रशासनिक रहा है। इस अवधि में शासन द्वारा स्क्रूक कार्य सौंपा गया था, जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अमले की पूर्ण सहभागिता आवश्यक थी। इसी कारण दिसंबर माह में सामान्य सभा की बैठक आयोजित नहीं हो सकी। हम आगामी दिनों में शीघ्र ही यह बैठक आयोजित करेंगे।

कुर्की दल ने बकाया संपत्तिकर 1.28 लाख रूपये वसूल किये

भिलाई। निगम भिलाई के वित्तीय स्थिति में सुधार करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर गठित कुर्की दल ने जोन-5 क्षेत्र के बकायादारों से राशि 1.28 लाख रूपये वसूल किया गया है। निगम आयुक्त ने निगम की वित्तीय स्थिति में सुधार करने शहर के बकायादारों से संपत्तिकर की लंबित राशि की वसूली हेतु कुर्की दल का गठन किया है। कुर्की दल बकायादारों के स्थल पर पहुंचकर संपर्क कर रहे हैं। कुर्की दल के मौके पर पहुंचते ही भवन अथवा भूमि स्वामी द्वारा संपत्तिकर की राशि का भुगतान किया जा रहा है। कुर्की दल ने बुधवार को राशि 1,28,282.00 रूपये की वसूल किया है। नगर निगम भिलाई द्वारा नागरिको से अपील किया है कि अपने बकाया संपत्तिकर की राशि जल्द ही निगम कोष में जमा कर दे।

सशक्त एप के माध्यम से लगातार पकड़े जा रहे हैं चोरी के वाहन

दुर्ग। दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार चोरी की घटनाओं को अजाम देने वाले आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दस जनवरी को प्रार्थिया थाना आकर रिपोर्ट लिखायी कि उसकी स्कूटी होंडा एक्टिवा क्रमांक सीजी 07 बीडी 3682 कलर सफेद जिसका इंजन नं. जेएफ50ई73305243 एवं चेचिस नं. एमई4जेएफ505जेजी7306002 है, जो प्रार्थिया के मां के नाम से पंजीकृत है जिसको प्रार्थिया चलाती है। दिनांक 07.01.2026 को प्रार्थिया घर से खाना बनाने के काम के लिये एन. सतीश कुमार भैय्या के यहां आई थी जो सड़क न. 24, क्वाटर न. 10/ सेक्टर 10 भिलाई में रहते है। अपनी गाड़ी को एन. सतीश कुमार भैय्या के घर के बाहर सुबह लगभग 07.30 बजे गेट के सामने में खड़ी कर घर के अंदर काम करने चली गई थी, काम करके जब घर जाने के लिये लगभग 08.00 बजे निकली तब देखा जिस स्थान पर अपनी गाड़ी को खड़ी की थी वहां पर मेरी स्कूटर होण्डा एक्टीवा क्रमांक सीजी 07 बीडी 3682 कलर संफेद किमती 10,000 नही थी। जिसे आस पास आज दिनांक तक पता तलाश किया कही पता नही चला कोई अज्ञात चोर द्वारा स्कूटर होण्डा एक्टीवा क्रमांक सीजी 07 बीडी 3682, कलर संफेद कीमती 10,000 रू को चोरी कर ले गया है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना भिलाई नगर में 17/2026 धारा 303(2) बी.एन.एस अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया, विवेचना के दौरान सशक्त एप के माध्यम से आरोपी की पतासाजी कर अंशुल सैनी उम्र 18 साल साकिन सेक्टर' 10 सडक 32, क्वाटर 18/बी, भिलाई को पूछताछ कर मेमोरण्डम कथन लिया गया जिन्होने अपने कथन में घटना घटित करना कबूल करने पर आरोपी के कब्जे से चोरी गए स्कुटी होण्डा एक्टीवा क्रमांक सीजी 07 बीडी 3682 को समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी अंशुल सैनी को दिनांक 14/01/2026 को गिर0 कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया आरोपी का नाम अंशुल सैनी उम्र 18 साल सेक्टर' 10 भिलाई नगर हैं।

मंदिरों में चोरी करने वाले गिरोह के 2 आरोपी को पकड़ने में पुलिस को मिली सफलता

आरोपी ने मंदिर के मुकुट को किया था पार, सर्कुलर मार्केट कैंप 2 के मंदिर से किया चोरी

भिलाई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि प्रार्थी इच्छापूर्ति दुर्गा गणेश मंदिर मटका लाईन, कैम्प 02 भिलाई * समिति का अध्यक्ष है, इच्छापूर्ति दुर्गा *गणेश मंदिर मटका लाईन, कैम्प 02 भिलाई में पडित भोला महाराज पुजा पाट का कार्य करते है, तथा मंदिर के उपर बने कमरे में रहते है। जो प्रतिदिन प्रात 07/00 बजे मंदिर खुलता है व दोपहर 12/00 बजे मंदिर बंद किया जाता है तथा शाम 04/00 बजे मंदिर खुलता है एवं रात्रि 09/00 बजे मंदिर बंद होता है। प्रतिदिन की तरह दिनाक 09/01/2026 के शाम 04/00 बजे पडित भोला महाराज मंदिर का गेट खोलकर अपने कमरे में नहाने धोने चले गए थे। शाम करीबन 06/00 बजे पंडित भोला महाराज मंदिर में वापस आए तो देखे कि मंदिर मे हनुमान जी की मूर्ति पर लगा चाँदी का मुकुट, स्टील का बरतन एवं लड्डू गोपाल जी की पीतल की मूर्ति मय झूला जुमला किमती 20 हजार रू0 नहीं था, जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। चोरी गई मशरूका एवं अज्ञात आरोपी की पता तलाश हेतु सीसी टीवी को खंगाला गया एवं मुखबिर लगाये गए की पता तलाश के दौरान मुखबीर से सूचना प्राप्त होने पर संदेही को अभिरक्षा में लिया जाकर पुछताछ किया गया, जिनके द्वारा उक्त घटना कारित करना स्वीकार किया गया द्य एवं आरोपियों के कब्जे से चोरी किये गए सामान को बरामद किया गया । आरोपीगणों को न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय भेजा जाता है ।

आरोपियो में रीना दिवेदी उम्र 48 वर्ष पता इस्पात नगर रिसाली

2. बालमुकुंद सोनी उम्र 65 वर्ष पता - इस्पात नगर रिसाली हैं।०

राज्य स्तरीय बौद्ध मेला महोत्सव का समापन 16 को

दुर्ग। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 16 जनवरी 2026 को डॉ. अंबेडकर नगर वार्ड में संध्या 5 बजे से राज्य स्तरीय बौद्ध मेला महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि गजेन्द्र यादव (केबिनेट मंत्री छः गः शासन), प्रमुख अतिथि विजय बघेल (सांसद दुर्ग लोक सभा), रिकेश सेन (विधायक वैशाली नगर विधानसभा), अरविंद सिंह खुराना (अध्यक्ष अल्पसंख्यक दुर्ग), इंद्रजीत सिंह (छोटू)(समाजसेवी), अजीत वैद्य (पार्षद शंकर नगर), एम.डी. कावरे (रायपुर संभाग कमिश्नर), दिलीप वासनीकर (छत्तीसगढ़ जांच आयोग), रतनलाल डांगी (आई.जी. रायपुर), के.एन.कांडे (एम.डी.अपेक्स बैंक छ.ग.), सुनील रामटेके (चेयरमैन ऑल क्क्र एससी एसटी फेडरेशन) डॉ. उदय कुमार ढाबरडे (सी एम ओ सेक्टर 9 अस्पताल), बालेश्वर चौरे (प्रदेश अध्यक्ष ब्राइड एसो.), उमाकांत सुखदेवे (जल संसाधन विभाग), अरविंद चौहान (राजमार्ग विभाग), विनोद वासनिक (अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई), एस. आर. कांडे (ट्रस्टी भारतीय बौद्ध महासभा), भोजराज गौरखेड़े (प्रदेश अध्यक्ष दि बुद्धिस्ट सोसायटी), सी.एल.माहेश्वरी (राष्ट्रीय सलाहकार दि बुद्धिस्ट सोसायटी), अनिल गजभिए (प्रदेश अध्यक्ष पैंथर सेना), वर्षा बागड़े (अध्यक्ष दि बुद्धिस्ट सोसायटी भिलाई) युक्ताशय की जानकारी कार्यक्रम के संयोजक मा. सुनील रामटेके जी ने दी।

हिंदी भाषा के संवर्धन की सशक्त पहल: नराकास स्तरीय स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का आयोजन

भिलाई। दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, माध्यम व्यवसाय कार्यालय भिलाई द्वारा नराकास भिलाई- दुर्ग के तत्वावधान में नराकास स्तरीय स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजीव कुमार, सचिव नराकास भिलाईङ्कदुर्ग रहे तथा अध्यक्षता श्री रवि पाठक, वरिष्ठ मंडल प्रबंधक, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, भिलाई ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री रवि पाठक ने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक चेतना की आत्मा है और ऐसे साहित्यिक आयोजनों से कार्यस्थल पर रचनात्मक वातावरण का निर्माण होता है। मुख्य अतिथि श्री राजीव कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वरचित काव्य पाठ जैसी प्रतियोगिताएं भाषा के प्रति आत्मीयता बढ़ाती हैं और हिंदी को जन-जन से जोड़ने का कार्य करती हैं। प्रतियोगिता में भिलाई स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों सहित हिंदुस्तान प्राइवेट लिमिटेड, फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया, छत्तीसगढ़ स्टेट इलेक्ट्रिसिटी, आईआईटी भिलाई, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस, राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग दुर्ग सहित विभिन्न संस्थानों के कुल 25 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन अजिताभ कुमार, हिंदी अधिकारी, दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, भिलाई द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न से सम्मानित साहित्यकार, लेखक, कवि एवं नाटककार श्री भारत वेद जी, हिंदी अधिकारी नराकास भिलाईङ्कदुर्ग श्री जितेंद्र मानिकपुरी जी तथा केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के हिंदी अध्यापक डॉ. अजय आर्य जी शामिल रहे। निर्णायकों ने निष्पक्ष निर्णय देने के साथ-साथ काव्य पाठ की बारीकियों पर महत्वपूर्ण विचार, सलाह एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

श्री भारत वेद जी ने कहा कि अच्छी कविता वही होती है जो समाज की सच्ची संवेदनाओं को शब्द दे और श्रोता के मन में लंबे समय तक प्रभाव छोड़ जाए। श्री जितेंद्र मानिकपुरी जी ने कहा कि भाषा की शुद्धता, भावों की स्पष्टता और मौलिकता कविता की आत्मा होती है। डॉ. अजय आर्य ने अपने विचार रखते हुए कहा कि श्रेष्ठ कविता हृदय से निकलकर हृदय तक पहुंचती है और अनुभूति की सच्चाई ही उसका सबसे बड़ा सौंदर्य होती है। उन्होंने अपनी कविता 'अपने मन के मकान में थोड़ी सी जगह दे दे मुझको भी जीने की वजह दे दे।' का पाठ भी किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ओमवीर कारण (भिलाई स्टील प्लांट), द्वितीय स्थान संजीव कुमार (भारतीय खाद्य निगम), तृतीय स्थान डॉ. ऋषि रंजन सिंह (आईआईटी भिलाई), चतुर्थ स्थान गरिमा चंद्र (भिलाई स्टील प्लांट), पंचम स्थान प्रदीप कुमार (एचसीएल), षष्ठम स्थान नूपुर विश्वास (दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, भिलाई) तथा सप्तम स्थान अनिल कुमार द्विवेदी ने प्राप्त किया। अन्य प्रतिभागियों में अमितेश कुमार पुरोहित, हरीश कुमार देवांगन, मंजू मौर्य, रमणीय राजेंद्रन, अल्का तारे, कंदी सुरेश, वीरेश्वर नाथ सत्य, अनिल कुमार अग्रवाल, सूरज कुमार, वंदना चौधरी, मनीष गुप्ता, पिंकी चंदेल, केदार नाथ सोनबर, शिवानी, अभिजीत सिंह, पी. आर. साहू, विनोद कुमार गर्ग एवं किशोर कुमार नशीनें शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, निर्णायकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा आयोजन को हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक सार्थक और प्रेरणादायी प्रयास बताया ।

संक्षिप्त-खबर

60 हितग्राही आवास आबंटन से हुए लाभान्वित

भिलाईनगर। शासन के मंशानुसार नागरिको को पक्का मकान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम भिलाई सभागार कक्ष में बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना की लाटरी का आयोजन किया गया। लाटरी में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पार्षद हरिओम तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता सह नोडल अधिकारी की उपस्थिति में हितग्राहियों का लाटरी निकालकर आवास आबंटित किया गया है।

निगम क्षेत्र में निवास कर रहे नागरिक जिनके पास स्वयं का पुरे भारत में पक्का मकान नहीं है, उन्हे सरकार द्वारा पक्का मकान उपलब्ध कराया जा रहा है। नागरिक नियमानुसार नगर निगम भिलाई के आवास शाखा में आवेदन कर रहे है। जमा किये गये आवेदनों का सक्षम स्वीकृति लिया जाता है। स्वीकृति पश्चात आवास आबंटन की लाटरी का आयोजन किया गया है। आज निगम सभागार कक्ष में कुल 60 पात्र हितग्राहियों का लाटरी निकाला गया। लाटरी में जो ब्लाक और मकान नंबर लिखा होता है, उसे हितग्राही को आबंटित कर दिया जाता है। लाटरी में उपस्थित सभी हितग्राही मकान आबंटित होने पश्चात खुश होकर सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किये है। लाटरी के दौरान उप अभियंता दीपक देवांगन, आवास प्रभारी विदयाधर देवांगन, सीएलटीसी किरण चतुर्वेदी, जी मोहन राव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

31 मार्च से अपनी बकाया राशि का भुगतान करते हैं, तो ब्याज में 50 प्रतिशत तक की छूट

भिलाई। छत्तीसगढ़ में हाउसिंग बोर्ड से जुड़े हजारों हितग्राहियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। प्रदेशभर में फ्लैट और कॉलोनियों में रहने वाले लोगों पर लंबे समय से मेंटेनेंस, पानी शुल्क और ब्याज का जो बोझ बढ़ता जा रहा था, उसे कम करने के लिए हाउसिंग बोर्ड ने अहम फैसला लिया है। बोर्ड के मुताबिक इस समय प्रदेश में करीब 52 करोड़ रुपये की बकाया राशि है, जिसमें बड़ी संख्या ऐसे हितग्राहियों की है जो आर्थिक मजबूरियों के चलते समय पर भुगतान नहीं कर सके। समय के साथ ब्याज बढ़ता गया और कई मामलों में देनदारी मूल राशि से भी ज्यादा हो गई। इसी स्थिति को देखते हुए हाउसिंग बोर्ड ने निर्णय लिया है कि यदि हितग्राही 31 मार्च 2026 से पहले अपनी बकाया राशि का भुगतान करते हैं, तो उन्हें ब्याज में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसके साथ ही मेंटेनेंस और पानी शुल्क से जुड़े मामलों में भी राहत दी जाएगी, ताकि लोग बिना अतिरिक्त दबाव के अपनी जिम्मेदारी पूरी कर सकें। बोर्ड का कहना है कि इस फैसले का उद्देश्य लोगों पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि उन्हें एक अवसर देना है। हालांकि बोर्ड ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जो हितग्राही तय समयसीमा के भीतर भुगतान नहीं करेंगे, उनके नाम सार्वजनिक किए जा सकते हैं और आगे नियमानुसार सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। कुल मिलाकर यह फैसला एक तरफ आम लोगों को राहत देता है, तो दूसरी ओर हाउसिंग बोर्ड की वित्तीय स्थिति को सुधारने की दिशा में भी एक अहम कदम माना जा रहा है।

डाकघर में अब डिजिटल माध्यम से भुगतान की सुविधा का प्रारंभ

दुर्ग। डाक विभाग डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर हो रहा है इसी कड़ी में अब डाकघर में क्यूआर त्त्क्रकोड से स्कैन एवं पोस मशीन से भुगतान करने की सुविधा प्रारंभ हो चुकी है । यह पूरे छत्तीसगढ़ परिमंडल के सभी विभागीय डाकघर में प्रारंभ हो चुकी है । वर्तमान में स्पीड पोस्ट पार्सल एवं अन्य भुगतान हेतु यह सुविधा उपलब्ध है । ग्राहक अपनी स्मार्टफोन /डेबिट/ क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके डाक सेवाओं की फीस का भुगतान कर सकते हैं। डाक विभाग अपने ग्राहकों को तकनीकी आधारित सुगम सुविधाजनक सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

चाईनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध

दुर्ग। पर्यावरण संरक्षण मंडल से प्राप्त जानकारी अनुसार चाईनीज मांझे के कारण लगातार गंभीर दुर्घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, वहीं कुछ मामलों में जान तक चली गई है। खासतौर पर दोपहिया वाहन चालकों, बच्चों के लिए यह मांझा अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। पर्यावरण संरक्षण मंडल ने आम नागरिकों से अपील की है कि पतंग उड़ाने के दौरान चाईनीज मांझे का उपयोग बिल्कुल न करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

दस दिवसीय भिलाई मड़ई का आयोजन 30 जनवरी से, छत्तीसगढ़ी संस्कृति, कला और उत्सव का भव्य आयोजन

भिलाई। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक कला, युवा प्रतिभा और सांस्कृतिक पहचान को समर्पित भिलाई मड़ई 2026 का आयोजन इस वर्ष और भी बड़े एवं संगठित स्वरूप में किया जा रहा है। यह आयोजन 30 जनवरी से 8 फरवरी 2026 तक हेलिपैड ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में प्रतिदिन दोपहर 3:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक आयोजित होगा। पत्रकारवार्ता में जानकारी देते हुए आयोजक योगेश अग्रवाल, होमन देशमुख और कंचन गुप्ता ने बताया भिलाई मड़ई 2026 में 50,000 से अधिक दर्शकों के शामिल होने की संभावना है। भिलाई मड़ई केवल एक मेला नहीं, बल्कि 'हमर माटी के तिहार है, जहाँ छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराएं, आधुनिक सोच और युवा ऊर्जा एक साथ देखने को मिलेगी। यह

सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

वर्ष -01 ✦ अंक- 01 ✦ दुर्ग, गुरूवार 15 जनवरी 2026 ✦ ✦ पृष्ठ- 08 ✦ मूल्य- 2 रुपए ✦ संपादक- अलोक तिवारी ✦ PRGI Reg No : CTHIN/25/A3746

अपनी बात

सच की नई आवाज़, जनहित की नई शुरुआत: 'नई दृष्टिबिंदु' का भव्य आगाज़

अपनी बात आपकी आवाज़—हमारी जिम्मेदारी

भिलाई। पत्रकारिता के बदलते और चुनौतीपूर्ण दौर में सच, साहस और जनसरोकार की मजबूत आवाज़ बने रहने का संकल्प लिए खबर आलोक समूह ने आज **सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु** का शुभारंभ किया। महीनों से यूट्यूब चैनल, न्यूज़ पोर्टल और सोशल मीडिया के माध्यम से जो विश्वास और स्नेह आपने हमें दिया, वही ताकत अब हमें प्रिंट माध्यम में आगे बढ़ने का साहस दे रही है।

नई दृष्टिबिंदु केवल खबरों का माध्यम नहीं, बल्कि आम नागरिक की आवाज़ बनने का मंच है। हमारा संकल्प स्पष्ट है—यह अखबार किसी दबाव, प्रभाव या समझौते का गुलाम नहीं होगा। सच्चाई, निष्पक्षता और जनसरोकार इसकी मूल पहचान हैं। आज जब पत्रकारिता पर सवाल उठ रहे हैं, तब निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

इस अखबार का उद्देश्य है उन मुद्दों को प्रमुखता से उठाना जो अक्सर हाशिये पर रह जाते हैं—मजदूर, किसान, व्यापारी, युवा, महिलाएं और समाज के कमजोर वर्ग। ई-पेपर प्रतिदिन शाम 6 बजे, न्यूज़ पोर्टल और यूट्यूब चैनल 24×7 पाठकों के साथ जुड़े रहेंगे, ताकि हर प्लेटफॉर्म पर ताज़ी और विश्वसनीय खबरें मिल सकें।

इस प्रयास के पीछे एक समर्पित और मेहनती टीम है। ब्रांच मैनेजर आनंद शर्मा ने संगठन को मजबूत आधार दिया, न्यूज़ एंकर नबीला काजी ने खबरों को सशक्त आवाज़ दी, विशेष संवाददाता संदीप सिंह ने ज़मीनी सच्चाइयों को लगातार सामने रखा, एडिटर गोविंदा देवांगन ने खबरों में संतुलन और संवेदनशीलता बनाए रखी, और वीडियो व तकनीकी टीम ने अखबार को आकार देने में अथक मेहनत की। सूर्या दुबे अखबार की साज सज्जा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लिए हुए है।

इस अवसर पर मैं **हरिभूमि पत्र समूह के प्रधान संपादक आदरणीय डॉ. हिमांशु द्विवेदी जी** का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने भिलाई दुर्ग जैसे महत्वपूर्ण शहर में कार्य करने का अवसर दिया और हर विपरीत परिस्थिति में पिता तुल्य मार्गदर्शन और संरक्षण प्रदान किया ,आदरणीय से जीवन भर आशीर्वाद की उम्मीद है । साथ ही, हरिभूमि परिवार के सभी सदस्यों के सहयोग और प्रेरणा के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ।

खबर आलोक समूह का विश्वास है कि **नई दृष्टिबिंदु** पाठकों के प्रेम, समर्थन और आशीर्वाद से न केवल एक अखबार बनेगा, बल्कि समाज में नई सोच, नई चेतना और नई ऊर्जा फैलाने वाला एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।

आलोक तिवारी, प्रधान संपादक
सांध्य दैनिक, नई दृष्टिबिंदु

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति, एकजुटता और समृद्धि का प्रतीक - मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने तातापानी महोत्सव का किया भव्य शुभारंभ

तातापानी महोत्सव के लिए हर साल 25 लाख: आस्था, पर्यटन और स्थानीय संस्कृति को मिला स्थायी संबल

रायपुर(नई दृष्टिबिंदु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलरामपुर जिले में आयोजित तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित इस महोत्सव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति सूर्य उपासना का पर्व है और यह भारतीय संस्कृति, एकजुटता तथा समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति, लोहड़ी एवं पोंगल की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने इस अवसर पर तातापानी महोत्सव के आयोजन के लिए प्रतिवर्ष 25 लाख रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की।उन्होंने तपेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में प्राचीन शिव चबूतरे पर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला मुख्यालय बलरामपुर में शासकीय महिला कर्मचारियों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल, डाइट संचालन हेतु भवन, तथा जिला पंजीयन कार्यालय भवन निर्माण की घोषणा की। साथ ही उन्होंने 655 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिले को विकास की नई सौगात दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार के दो वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और छत्तीसगढ़ की जनता से किए गए हर वादे को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रत्येक पात्र हितग्राही को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। अब किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य मिल रहा है। 70 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक-एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। 5 लाख से अधिक भूमिहीन किसानों को दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत 10-10 हजार रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की तीर्थ यात्रा कराई जा चुकी है। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े तथा सांसद चिंतामणि महाराज ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

अब माइनस नंबर लाने वाले भी बनेंगे स्पेशलिस्ट डॉक्टर

18 हजार सीटें भरने के लिए केंद्र सरकार का चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में मेडिकल पीजी की हजारों खाली सीटों को भरने के लिए केंद्र सरकार और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडिकल साइंसेज ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसने चिकित्सा जगत को हैरान कर दिया है। नीट पीजी 2025 के लिए क्वालिफाइंग कटऑफ में ऐतिहासिक गिरावट की गई है। आलम यह है कि रिजर्व कैटेगरी के लिए अब यह कटऑफ घटाकर 'जीरो' पर्सेंटाइल कर दी गई है। इसका सीधा मतलब है कि परीक्षा में माइनस नंबर (-40) लाने

वाले उम्मीदवार भी अब एमडी और एमएस जैसी डिग्री हासिल करने के लिए योग्य माने जाएंगे।

18 हजार सीटें खाली, इसलिए गिराया गया स्तर

दरअसल, नीट पीजी काउंसलिंग के दो राउंड पूरे होने के बाद भी सरकारी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में 18,000 से ज्यादा पीजी सीटें खाली पड़ी हैं। इन्हें भरने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर यह कदम उठाया गया है। संशोधित नियमों के मुताबिक, सामान्य वर्ग और ईडब्ल्यूएस (उम्मीदवारों के लिए कटऑफ 50 पर्सेंटाइल से घटाकर सीधे 7 पर्सेंटाइल कर दी गई है। अंकों के लिहाज से देखें तो पहले जहां 800 में से 276 नंबर लाना जरूरी था, वहीं अब महज 103 नंबर लाने वाले भी योग्य माने जाएंगे। वहीं, दिव्यांग श्रेणी के लिए कटऑफ 45 से घटाकर 5 पर्सेंटाइल कर दिया गया है।

सबसे बड़ा बदलाव आरक्षित वर्ग के लिए किया गया है। इन वर्गों के लिए पर्सेंटाइल 40 से घटाकर शून्य (0) कर दिया गया है। इसका तकनीकी मतलब यह है कि अगर किसी छात्र ने नीट पीजी परीक्षा में 800 में से माइनस 40 (-40) अंक भी हासिल किए हैं, तो वह भी काउंसलिंग के तीसरे राउंड में हिस्सा लेने और दाखिला पाने के लिए पात्र होगा।

पहले इनके लिए कटऑफ स्कोर 235 था। आसान शब्दों में, जिस भी आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार ने परीक्षा दी है, वह अब सीट पाने का दावेदार है। सरकार के इस फैसले का मेडिकल बिरादरी में कड़ा विरोध शुरू हो गया है।

अमेरिका के बाद इजरायल का बड़ा फैसला

संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से सभी संबंध खत्म

बार-बार इजरायल के खिलाफ पूर्वाग्रह का आरोप

वॉशिंगटन। अमेरिका द्वारा कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से हटने के फैसले के बाद वैश्विक राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अब इजरायल ने भी इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से तुरंत सभी संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। यह फैसला इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने लिया है। उन्होंने इन संगठनों पर लगातार पक्षपात, राजनीतिकरण और इजरायल-विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। इजरायल के इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस छेड़ दी है।

इस फैसले की घोषणा इजरायल के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए की। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के हालिया फैसले के बाद संबंधित संगठनों की समीक्षा की गई और अपने अनुभवों के आधार पर यह कदम उठाया गया।

विदेश मंत्री गिदोन सार ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे संबंधित एजेंसियों के साथ तुरंत सभी संपर्क समाप्त करें। इसके साथ ही अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग की भी समीक्षा की जाएगी। जरूरत पड़ने पर संबंधित सरकारी मंत्रालयों से परामर्श लिया जाएगा।

इजरायल का कहना है कि इन संगठनों ने बार-बार उसके खिलाफ पूर्वाग्रही रवैया अपनाया, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा है। अमेरिका के फैसले में शामिल संगठनों की सूची के आधार पर इजरायल पहले ही चार संयुक्त राष्ट्र निकायों से नाता तोड़ चुका है।

ग्रीनलैंड पर कब्जे से कम कुछ मंजूर नहीं - ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा होना जरूरी है और इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। उन्होंने बुधवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा- अमेरिका को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है।

ट्रम्प ने लिखा कि इस मामले में नाटो को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कंट्रोल नहीं किया, तो रूस या चीन वहां अपना असर बढ़ा

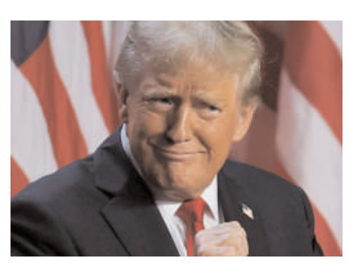

सकते हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड, अमेरिका के हाथ में होता है तो नाटोकहीं ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली बन जाएगा। नाटोटूटने के खतरे पर ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका की बड़ी सैन्य ताकत के बिना यह संगठन कुछ भी नहीं है। दरअसल डेनमार्क की पीएम ने कुछ दिन पहले कहा था कि अमेरिका ने जबरदस्ती ग्रीनलैंड पर कब्जा किया तो नाटो टूट सकता है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा है कि अगर ग्रीनलैंड को अमेरिका और डेनमार्क में से किसी एक को चुनना पड़े, तो वह डेनमार्क को चुनेगा।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, पंजाब, हरियाणा से लेकर दिल्ली तक शीतलहर

नई दिल्ली (ए)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में भीषण ठंड ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। घने कोहरे और शीतलहर की चपेट में पूरा उत्तर भारत आ गया है। बीती सुबह दिल्ली में पिछले तीन वर्षों की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई, जब न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। ठंडी हवाओं और कोहरे के चलते लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। हालात को देखते हुए मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली के अलावा नोएडा,

गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों में भी तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है। नोएडा में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री और गाजियाबाद में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में धूप निकलने के बावजूद ठंड से कोई खास राहत नहीं मिली। राजधानी में लगातार तीसरे दिन शीतलहर का असर बना रहा।

सेना का राष्ट्र प्रथम का भाव भारतीय को प्रेरित करता है- राष्ट्रपति

भारतीय सेना के जवान निस्वार्थ सेवा-राष्ट्र रक्षा के प्रतीक, सैनिकों को नमन- पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)

सेना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय सेना की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है और सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अटूट संकल्प के साथ देश की सुरक्षा करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र उनकी वीरता और दृढ़ प्रतिबद्धता को नमन करता है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सैनिक निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं, जो सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की रक्षा करते हैं। कर्तव्य के प्रति उनकी भावना पूरे देश में विश्वास और कृतज्ञता की भावना जगाती है। मोदी ने कहा कि देश उन लोगों को गहरे सम्मान के साथ याद करता है जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना देश की एकता, संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में सदैव अडिग रही है। हमारे सैनिक सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ आपदा, संकट और मानवीय सहायता

के समय भी अहम भूमिका निभाते हैं। आपका अटूट राष्ट्र प्रथम का भाव हर भारतीय को निरंतर प्रेरित करता है।

भारतीय सेना ने वैश्विक सम्मान अर्जित किया है- रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर भारतीय सेना के वीर जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र उनके अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान और भारत की संप्रभुता व अखंडता की रक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को नमन करता है। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर सतर्कता और संकट की घड़ी में दृढ़ संकल्प के साथ खड़ी भारतीय सेना ने अपने पेशेवर कौशल, अनुशासन और मानवीय सेवा के माध्यम से वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। हमारी सरकार एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार सेना के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृतज्ञ राष्ट्र गर्व और सम्मान के साथ अपने सैनिकों के साथ एकजुट खड़ा है। वहीं उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि सेना दिवस के अवसर पर मैं भारतीय सेना के वीर अधिकारियों, जवानों और पूर्व सैनिकों को नमन करता हूं। देश की सुरक्षा में उनका अटूट साहस, अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान हर नागरिक को प्रेरित करता है। हम भारत की एकता और अखंडता के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा और अडिग प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं। इस पावन अवसर पर हम कर्तव्य पथ पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को गहरी कृतज्ञता के साथ स्मरण करते हैं।

शौर्य की गूंज हमारे इतिहास के पन्नों में दर्ज- गृह मंत्री

गृह मंत्री अमित शाह ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। शाह ने कहा कि उनके शौर्य की गूंज हमारे इतिहास के पन्नों में दर्ज है, जो हर पीढ़ी के भारतीयों के भीतर देशभक्ति की प्रचंड ज्वाला प्रज्वलित करती है। कर्तव्य पथ पर सर्वस्व अर्पित करने वाले उन वीर हृदयों को मेरा कोटि-कोटि नमन।

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने कहा कि भारतीय सेना दिवस के अवसर पर हम अपने वीर जवानों, पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ नमन करते हैं।

मेले में एक तीर्थयात्री की मौत,अब तक पांच बीमार श्रद्धालु किए गए एयर लिफ्ट

ममता सरकार का दावा, एक 85 लाख तीर्थ यात्रियों ने किया पुण्य स्नान

सागरद्वीप (एजेंसी)

मकर संक्रांति के पुण्यकाल में गंगा व सागर के संगम में अब तक 85 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने मोक्ष की डूबकी लगाई। आज राज्य के मंत्री अरुप विस्वास ने उक्त दावा किया और कहा कि, अभी भी व्यापक संख्या में तीर्थयात्री पुण्य स्नान करेंगे। आज शाम संवाददाता सम्मेलन में राज्य के मंत्री अरुप विस्वास ने एक बार फिर ममता सरकार की व्यवस्था को उत्तम के साथ ही चाक चौबंद बताते हुए दावा किया कि, अब गंगासागर की यात्रा सुगम हो गई है। लेकिन स्थानीय लोगों व दुकानदारों ने नाम की गोपनियता पर उक्त दावें पर संदेह व्यक्त किया। मेले में आज असम निवासी एक पुण्यार्थी मिठू मंडल (51) की मौत हो गई है। जबकि अबतक 5 तीर्थयात्री जो गंभीर तौर पर बीमार हुए थे को एयर लिफ्ट कर इलाज के लिए कोलकाता भेजा गया। आज दो बीमार पुण्यार्थी बिहार के दरभंगा जिले की निवासी व बिहार के पूर्वी चम्पारण की निवासी पुण्यार्थी प्रेमाकांति देवी (72) को एयर लिफ्ट कर इलाज के लिए कोलकाता भेजा

गया। 14 जनवरी के दोपहर से ही तीर्थयात्री पुण्यस्नान के लिए सागर तट पर जमा हुए। आज तड़के से ही सारा दिन पुण्यार्थी पुण्य स्नान करते नजर आये। सरकारी तौर पर मकर संक्रांति का पुण्यकाल आज दोपहर 1.19 बजे से कथित तौर पर शुरु हुआ जो कि 15 जनवरी दोपहर 1.19 बजे तक है।

पुण्य स्नान के बाद पुण्यार्थियों ने लम्बी कतार में खड़े होकर श्री हरि अवतार कपिलमुनि का दर्शन करते रहें और फिर अपने घरों की ओर जाने के लिये उतावले दिखें। भारी संख्या में पुण्यार्थियों का जत्था बस स्टैंड की रवाना होता रहा जिसके कारण व्यापक जाम देखा गया। व्यवस्था का अभाव कोहरे के कारण वह लोग परेशान रहें। आज भी तीर्थयात्रियों ने आरोप लगाया कि, उनलोगों को एक-एक जगह 6 से 8 घंटे तक खड़े रहना पड़ा है। हालात तो यह रहे कि कोहरे के कारण बस व वेसेल सेवा पर असर पड़ा। उक्त संवाददाता सम्मेलन में आज मंत्री अरूप विश्वास, मंत्री सुजीत बोस, मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती व मंत्री बंकिम हाजरा, बेचाराम मन्ना सहित कई मंत्री जिला सभाधिपति नीलिमा मिस्त्री बिशाल व डीएम एके मीणा मौजूद थें। बहरहाल तीर्थयात्री मकर संक्रांति का पुण्य स्नान के बाद हर-हर गंगे व जय कपिल मुनि के उद्घोष करते रहें । इधर सुंदरबन पुलिस जिला के अधिकारी ने व सरकारी सूत्रों ने बताया, कि, अब तक यहां पाकेटमारी की 272 घटनाएं हुई हैं, लेकिन 260 मामलों में पुलिस खोई हुई वस्तुओं को बरामद करने में सफल रही है।

संपादकीय

अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियां तीसरे विश्वयुद्ध की नींव रख रही हैं

अब तो अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने खुले तौर पर घोषणा कर दी है कि ब्रिक्स संगठन के सक्रिय सदस्य देशों ङ्क भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन ङ्क एवं कुछ अन्य देशों पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया जा सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने एक प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर करते हुए इसे अमेरिकी संसद में पारित कराने हेतु भेज दिया है। दरअसल अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट में कुछ याचिकाएं लम्बित हैं जिनमें डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर लागू किए गए टैरिफ को चुनौती दी गई है। संभवत: अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना निर्णय दिनांक 9 जनवरी 2025 को दिया जा सकता है। यदि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ट्रम्प के खिलाफ आता है तो ट्रम्प अपने पास टैरिफ को लागू करने सम्बंधी अधिकार को सुरक्षित रखना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाए जाने सम्बंधी प्रस्ताव अमेरिकी संसद में पेश किया है।

घोषित तौर पर तो ट्रम्प द्वारा भारत और चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर टैरिफ इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि यह दोनों देश रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं और इस संदर्भ में ट्रम्प द्वारा दी जा रही चेतावनियों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। परंतु, वास्तव में ट्रम्प ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों, विशेष रूप से भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन से बहुत परेशान है, क्योंकि यह देश अमेरिकी डॉलर को चुनौती देते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही, यह देश अपने विदेशी व्यापार के भुगतान को अमेरिकी डॉलर के स्थान पर अपनी अपनी मुद्राओं में करने को प्रोत्साहन दे रहे हैं। ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों के बीच होने वाले व्यापार के भुगतान का निपटान करने हेतु ब्रिक्स मुद्रा को लाने का प्रयास भी इन देशों द्वारा किया जा रहा है। इससे निश्चित ही वैश्विक स्तर पर डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी। इससे अमेरिका की चौधराहट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। अत: ट्रम्प उक्त चारों देशों से बहुत अधिक नाराज है एवं इन चारों देशों को सबक सिखाना चाहते है।

परंतु, अब ट्रम्प को वैश्विक स्तर पर हो रहे विभिन्न घटनाक्रमों को गम्भीरता से लेने की आवश्यकता है। भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन आज विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में शामिल हैं। यह देश वेनेजुएला जैसे छोटे देश नहीं हैं जिन पर ट्रम्प अपना अधिकार एवं अपनी चौधराहट जता पाए। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उनकी पत्नी सहित ट्रम्प की सेना द्वारा रात्रि को सोते समय गिरफ्तार कर अमेरिका में ले जाया गया है। इसके बाद से ट्रम्प द्वारा यह बयान दिया जा रहा है कि वेनेजुएला स्थित तेल के कुओं से कच्चे तेल के भंडार को अब अमेरिकी कम्पनियों द्वारा निकाला जाएगा एवं इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा जाएगा और इस व्यवहार से होने वाले लाभ पर अमेरिका एवं वेनेजुएला का अधिकार होगा। यह तो संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र के अधिकारों का सीधा सीधा हनन है। वास्तव में अमेरिका की वेनेजुएला में कच्चे तेल एवं मूल्यवान खनिज पदार्थों के भंडार पर नजर है एवं इन्हें वह अपने कब्जे में लेना चाहता है इसीलिए वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया है और उन पर मुकदमा चलाया जा रहा है। इसी प्रकार, अब ग्रीनलैंड नामक द्वीप जिस पर इस समय डेनमार्क का अधिकार है, को भी अमेरिका अपने कब्जे में लेना चाहता है। अमेरिका के पास पहिले से ही ग्रीनलैंड में एक सैन्य अड्डा पिटुफिक्क स्पेस बेस है।

परंतु, ट्रम्प यह पूरा द्वीप ही अमेरिकी कब्जे में लाना चाहते हैं क्योंकि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इस द्वीप की उन्हें जरूरत है। वेनेजुएला को हथियाने के तुरंत बाद ट्रम्प ने वेनेजुएला के पश्चिमी पड़ौसी देश कोलम्बिया जहां तेल के विशाल भंडार है तथा सोना, चांदी, पन्ना प्लेटिनम और कोयले की भारी मात्रा में खदाने हैं, को भी चेतावनी दे दी है कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर इतनी सख्ती नहीं की जानी चाहिए कि प्रदर्शन करने वाले नागरिकों की मौत ही हो जाए। अन्यथा, अमेरिका को इस स्थिति से निपटने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ सकता है। ईरान भी इस समय बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों का सामना कर रहा है और ट्रम्प ने ईरान को भी चेतावनी दे डाली है कि ईरान में अगर और अधिक प्रदर्शनकारियों की मौत हुई तो अमेरिका को कठोर जवाब देना होगा।

मेक्सिको पर भी अमेरिका की टेढ़ी दृष्टि पड़ रही है और अमेरिका का सोचना है कि मेक्सिको से अमरीका में ड्रग्स एवं अवैध अप्रवासियों का आना जारी है। अमेरिका का कहना है कि इसे यदि मेक्सिको प्रशासन द्वारा रोका नहीं गया तो अमेरिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2025 में अपने दूसरे कार्यकाल के पहिले दिन ही ट्रम्प ने गल्फ आफ मेक्सिको का नाम बदलकर गल्फ आफ अमेरिका करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। वर्ष 2016 में अपने पहिले कार्यकाल के दौरान भी ट्रम्प ने मेक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा पर एक दीवार बनाने का बयान दिया था।

पंचायत उन्नति सूचकांक: ग्रामीण परिवर्तन के लिए डेटा-आधारित निर्णय लेने को मजबूत करना

सुशील कुमार लोहानी

भारत के गांवों में एक शांत लेकिन असरदार बदलाव हो रहा है। महाराष्ट्र की एक पंचायत में महिला-अनुकूल पंचायत विषय में कम अंक आने पर सीसीटीवी और स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं, वहीं गुजरात के एक गांव में स्वच्छ और हरित पंचायत श्रेणी में कमजोर प्रदर्शन के बाद तेजी से स्वच्छता अभियान शुरू किए गए। पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) अब यह तय करने लगा है कि जमीनी स्तर पर विकास की योजना कैसे बने और उसे कैसे लागू किया जाए। कई पंचायतों में पीएआई के जरिए सामने आई कमियां जैसे संस्थागत प्रसव की कम संख्या, खराब कचरा प्रबंधन या पानी की कमी के आधार पर सीधे लक्षित कदम उठाए गए हैं।

ये शुरुआती उदाहरण एक सरल लेकिन मजबूत सच्चाई दिखाते हैं-जब पंचायतें अपनी ताकत और कमज़ोरियों को साफ़-साफ़ देख पाती हैं, तो वे ज़्यादा तेज़ी से और सही तरीके से काम करती हैं। कई दशकों तक भारत में ग्रामीण विकास ज़्यादातर हाथ से बनी रिपोर्टों, व्यक्तिगत धारणाओं और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर निर्भर रहा। आज पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) ग्रामीण प्रशासन के केंद्र में एक नया मॉडल लेकर आया है, जो पारदर्शी है, आंकड़ों पर आधारित है और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप है।

पंचायती राज मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) भारत का पहला देशव्यापी ढांचा है, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायतों की प्रगति को वस्तुनिष्ठ संकेतकों के आधार पर मापा जाता है। इसमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, शासन, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचा, पर्यावरणीय स्थिरता आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह मूल्यांकन 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से निकले स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) के नौ विषयों के अंतर्गत किया जाता है। तर्कसंगत रूप से, राष्ट्रीय स्तर पर एसडीजी की प्राप्ति के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यवाही आवश्यक है, जहां पंचायतें अहम भूमिका निभा सकती हैं। इस संदर्भ में, पीएआई ग्रामीण क्षेत्रों में एलएसडीजी और अंतत: एसडीजी की प्रगति को मापने और ट्रैक करने के लिए एक साक्ष्य-आधारित व्यवस्था प्रदान करता है। पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) की गणना एक मजबूत और बहु-चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है, जिसमें नौ विषयों के अंतर्गत 435 अलग-अलग स्थानीय संकेतकों का उपयोग होता है। पंचायती राज मंत्रालय अन्य मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों से परामर्श कर संकेतकों का ढांचा तैयार करता है, जबकि वास्तविक आंकड़े ग्राम पंचायतों और संबंधित विभागों द्वारा एक साझा पोर्टल श्चड्डद्ब.द्द श्1.द्बठ्ठ पर ग्राम पंचायत स्तर पर दर्ज किए जाते हैं। इन आंकड़ों का सत्यापन कई प्रशासनिक स्तरों पर किया जाता है, जिसमें ग्राम सभा द्वारा जांच भी शामिल है। प्रत्येक विषय का स्कोर इन संकेतकों के आधार पर 0 से 100 के पैमाने पर तय होता है और इन्हीं से कुल पीएआई स्कोर (0-100) बनता है। इसी कुल स्कोर के आधार पर पंचायतों को तुलना के लिए पाँच श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए किए गए पहले सर्वेक्षण से कई रोचक तथ्य सामने आए। सत्यापित आंकड़े जमा करने वाली 2.16 लाख पंचायतों में से कोई भी पंचायत अचीवर (90 से अधिक अंक) की श्रेणी में नहीं आई। केवल 0.3 प्रतिशत पंचायतें फ्रंट रनर (75-89.99 अंक) रहीं और 35.8 प्रतिशत पंचायतें परफॉर्मर (60-74.99 अंक) की श्रेणी में थी। सबसे अधिक, यानी 61.2 प्रतिशत पंचायतें आकांक्षी (40-59.99 अंक) श्रेणी में रहीं, जबकि 2.7 प्रतिशत पंचायतें शुरुआती (40 से कम अंक) श्रेणी में पाई गई। गुजरात और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे अधिक उच्च प्रदर्शन करने वाली पंचायतों के साथ शीर्ष पर रहे।

जमीनी स्तर के शासन को मजबूत करने में इसकी बड़ी क्षमता को देखते हुए, राज्य सरकारें पीएआई अंकों को ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं के माध्यम से विभिन्न हितधारकों तक पहुंचा रही हैं। पारदर्शिता और नागरिक सहभागिता बढ़ाने के लिए पंचायतों ने अपने कार्यालयों के बाहर पीएआई स्कोरकार्ड लगाना भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा, ग्राम सभा की बैठकों के एजेंडे में भी पीएआई अंकों पर चर्चा को शामिल किया जा रहा है। पीएआई की असली ताकत इसके व्यावहारिक उपयोग में है। शुरुआती संकेत बताते हैं कि गुजरात जैसे राज्य पीएआई अंकों का उपयोग कमजोर ग्राम पंचायतों को विशेष अनुदान देने में कर रहे हैं, ताकि महत्वपूर्ण कमियों को पूरा किया जा सके। सिक्किम ने अपने छठे राज्य वित्त आयोग के तहत प्रदर्शन अनुदान देने के लिए पीएआई स्कोर को एक मानदंड के रूप में अपनाने का निर्णय लिया है। कई राज्यों में पीएआई साक्ष्य-आधारित योजना बनाने का एक अहम साधन बन गया है, जिससे पंचायतों को अपने ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीडीडीपी) में प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता देने में मदद मिल रही है। कर्नाटक, तमिलनाडु, सिक्किम, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में उच्च अंक पाने वाली ग्राम पंचायतों को पंचायत लर्निंग सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि झारखंड, बिहार, केरल, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्य इन पंचायतों के लिए पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के प्रतिनिधियों के लिए विशेष अध्ययन और अनुभव भ्रमण आयोजित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए में एक सफल राजनीतिक सिस्टम बनाया है

अजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए में एक ऐसा सफल राजनीतिक सिस्टम बनाया है कि जो उनमें शामिल दलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आदर बढ़ा है साथ साथ में उनकी विश्वसनीयता भी बनी हुई है। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले सीटों के बंटवारे से पहले लोकजनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने कहा नरेंद्र मोदी है न सब सुलझा देगे ।यही बात मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने कही ।2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में जेडीयू 115 सीट पर लड़ी थी 2025 में 101 पर लड़कर 85 पर जीत गई ।यह सब मैं इस लिए लिख रहा हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कोई तो ऐसी बात होगी जो उन्हें लगातार साथी दलों में स्वीकार्य बनाए है।यह गुण उन्होंने अटल बिहारी वाजपेई से सीखा है।स्व अटल बिहारी वाजपेई ने ही राजग की स्थापना की थी।

जब 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी 240 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत नहीं प्राप्त कर सकी थी तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजग का महत्व मालूम हुआ कि भारत में सबसे अधिक राजनीतिक समन्वय की आवश्यकता है।आज भारतीय जनता पार्टी के साथ तमिलनाडु में एआईडीएमके, आंध्र प्रदेश में टीडीपी, बिहार में जेडीयू, लोकजनशक्ति पार्टी, जीतनराम मांझी की हम ,असम में एजीपी, और पूर्वोत्तर में कई क्षेत्रीय दल, महाराष्ट्र में एनसीपी, शिवसेना,है। बिहार में नीतीश कुमार, महाराष्ट्र में अजीत पवार, शिंदे, तमिलनाडु में पनीरसेलम, आंध्र प्रदेश चंद्रबाबू नायडू, उनके सहयोगी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब 2014 में पूर्ण बहुमत से भारतीय जनता पार्टी सरकार के मुखिया थे तब उनकी सभी पार्टियों में स्वीकारता नहीं थी क्योंकि वह गुजरात से दिल्ली आए थे और उससे पहले गुजरात के 2002 से मुख्यमंत्री थे । नीतीश कुमार भी उसी समय बिहार के मुख्यमंत्री थे ।जब भारतीय जनता पार्टी ने मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया तो उन्हें यह अटपटा लगा तो वे मोदी को राजग नेता के रूप में स्वीकार नहीं कर सके और अलग होकर चुनाव लड़े लेकिन बिहार में लोकसभा 2014 में उनकी पार्टी मात्र दो सीट ही जीत सकी। समय बीता तो बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर पुन: एनडीए में शामिल हो कर सरकार बना ली ।यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली जीत थी समन्वय की । इसके बाद 2019 में नीतीश कुमार ने मोदी नेता मान लिया था और मोदी भी नीतीश कुमार की कोई बात नहीं टालते यहां तक कि 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव में जेडीयू को 47 सीट मिली और भारतीय जनता पार्टी को 77 तब भी मोदी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जबकि नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा था कि भारतीय जनता पार्टी चाहे तो अपना मुख्यमंत्री बना सकती है बस यही से नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना राजनीतिक गॉड फादर मान लिया।2024 में यद्यपि भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था लेकिन ह्ल्ल में नीतीश कुमार ने मोदी को मदद की और उन्हें हाथ फैलाने नहीं दिया।इसका पुरस्कार फिर मोदी ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में दिया है और नीतीश कुमार के गिरते स्वास्थ्य के बाबजूद मुख्यमंत्री बनाया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब अटलजी के पद चिन्हों पर चल रहे हैं अभी हाल में लोकसभा सत्र समाप्ति पर प्रियंका गांधी को खासी तब्बजो दी।इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में शिवसेना के शिंदे को साद रखा है।यहां तक कि शरद पवार इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है मगर कई निर्णयों में सरकार के साथ है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को उन्होंने ठौर बैठा दिया है क्योंकि 2020 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को 117 सीट मिली और शिवसेना को 57 मिली थी फिर भी संजय राउत शिवसेना के लिए मुख्यमंत्री पद मांग रहे थे जबकि तय यह हुआ था कि जिसकी सीट अधिक आएगी वह मुख्यमंत्री का हकदार होगा। इतना ही नहीं शिवसेना ने कांग्रेस, एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बना ली।तो गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह धोखा लगा ।दो वर्ष बाद ही एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना टूट गई और भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बन गए और शिवसेना 2025 का चुनाव में बुरी तरह हार गई। आज एकनाथ शिंदे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पसंद बने हुए हैं। इसी तरह तमिलनाडु में एआईडीएमके नेता पानीरसेवम उनकी पसंद बने हुए हैं।अबकी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निशाना डीएमके नेता और मुख्यमंत्री स्ह्म स्टालिन की ओर है भारतीय जनता पार्टी यहां पर 17 फीसदी वोट हासिल कर चुकी है। एआईडीएमके और भारतीय जनता पार्टी मिलकर विधानसभा चुनाव में लड़ेंगे। आंध्र प्रदेश में 2014 में लोकसभा और विधानसभा चुनावों साथ साथ हुए थे तब टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू मुख्यमंत्री बने लेकिन उन्होंने कुछ मुद्दों तथा आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दृढ़ता से मना कर दिया क्यूंकि ये भारत के संविधान के खिलाफ था।

अनुशासन, त्याग और पराक्रम का उत्सव-भारतीय थल सेना दिवस

हर वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना दिवस (इंडियन आर्मी डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिन भारतीय सेना के गौरव, शौर्य, अनुशासन और उन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है, जो देश की सीमाओं पर खड़े होकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। यह केवल एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैन्य इतिहास के एक निर्णायक क्षण की स्मृति भी है।दरअसल, 15 जनवरी 1949 को लेफ्टिनेंट जनरल के.एम.करिअप्पा ने भारत के पहले भारतीय सेनाध्यक्ष (प्रथम भारतीय कमांडर-इन-चीफ) के रूप में कार्यभार संभाला था। उस समय ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर ने उन्हें औपचारिक रूप से यह पद सौंपा था। यह क्षण भारत की सैन्य संप्रभुता, आत्मनिर्भरता और औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। बाद में, वर्ष 1986 में के. एम. करिअप्पा को उनके अतुलनीय योगदान के लिए फील्ड मार्शल की मानद उपाधि प्रदान की गई।स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में सेना दिवस 1 अप्रैल को मनाने का विचार किया गया था, किंतु ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी की तिथि को स्थायी रूप से निर्धारित किया गया। शुरुआती वर्षों में सेना दिवस के कार्यक्रम सीमित रूप से विभिन्न सैन्य छावनियों में आयोजित होते थे,

जबकि भव्य सार्वजनिक परेड और औपचारिक समारोहों की परंपरा बाद के वर्षों में विकसित हुई। आज सेना दिवस के अवसर पर दिल्ली या चयनित शहरों के परेड ग्राउंड में शानदार सैन्य परेड आयोजित की जाती है तथा इसमें सेना अपने आधुनिक हथियारों, टैंकों, मिसाइलों, राडार प्रणालियों और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करती है। इसके साथ ही वीरता पुरस्कार, जैसे सेना मेडल, भी प्रदान किए जाते हैं। यह दिन नई सैन्य तकनीकों, युद्ध अभ्यासों और रेजिमेंटल परंपराओं की औपचारिक शुरुआत का भी साक्षी बनता है।

पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय थल सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वैच्छिक (वॉलंटरी) सेना मानी जाती है, जहाँ सैनिकों की भर्ती पूरी तरह स्वेच्छा से होती है और किसी भी प्रकार की जबरन भर्ती की व्यवस्था नहीं है। सैनिकों की संख्या के लिहाज़ से यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सक्रिय थल सेना है, जिसमें लगभग 14.5 लाख (1.45 मिलियन) से अधिक सक्रिय सैनिक कार्यरत हैं।

शब्द सामर्थ्य -281

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

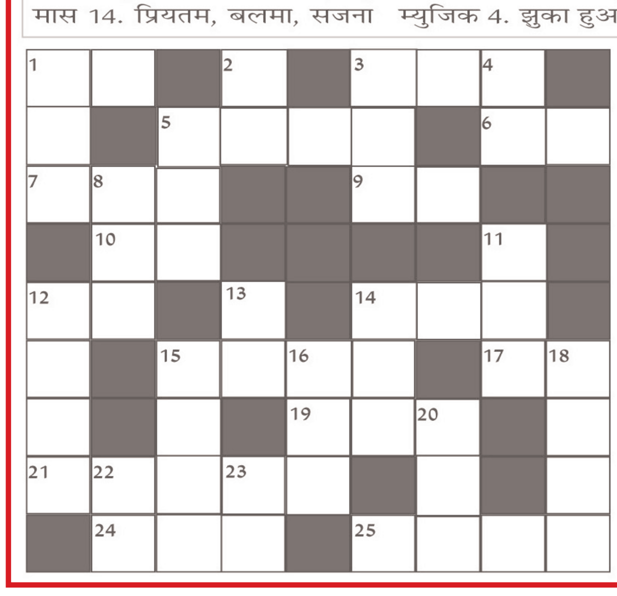

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 280 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

खबर-खास

जैविक खेती ने बदली तस्वीर

मुंगेली। राज्य शासन द्वारा किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित योजनाएं अब ज़मीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम देने लगी हैं। मुंगेली जिले के विकासखंड पथरिया के ग्राम मोहदी निवासी कृषक श्री मूलचंद बंजारे ने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में जैविक खेती अपनाकर अपनी खेती की दिशा और दशा दोनों बदल दी हैं। राज्य पोषित जैविक खेती मिशन योजना उनके लिए लाभकारी साबित हुई है।

श्री मूलचंद बंजारे पूर्व में वे परंपरागत रासायनिक खेती करते थे, जिसके कारण फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप बना रहता था। अधिक लागत के बावजूद अपेक्षित उत्पादन और लाभ नहीं मिल पा रहा था। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के तकनीकी मार्गदर्शन में श्री बंजारे ने राज्य पोषित जैविक खेती मिशन के अंतर्गत हरी खाद सनई बीज की बोनी कर उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती की शुरुआत की। खेती के दौरान प्रमाणित बीजों का उपयोग, बीज उपचार, ट्रायकोडर्मा से बीज शोधन, पी.एस.बी. कल्चर का प्रयोग तथा संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन अपनाया गया। इसके साथ ही खेत की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई, समय पर जिंक सल्फेट का उपयोग तथा गभोट अवस्था में प्रति एकड़ 2 किलोग्राम बोरान का छिड़काव किया गया।

इन वैज्ञानिक एवं जैविक उपायों के परिणामस्वरूप फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप उल्लेखनीय रूप से कम हुआ, उत्पादन लागत में कमी आई और धान की फसल से निर्धारित उत्पादन लक्ष्य प्राप्त हुआ। बेहतर उपज और गुणवत्ता के कारण श्री बंजारे की आय में वृद्धि हुई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है। श्री मूलचंद बंजारे का कहना है कि जैविक एवं वैज्ञानिक खेती न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि किसानों के लिए दीर्घकालीन रूप से अधिक लाभकारी भी सिद्ध हो रही है।

सरायपाली में राइस मिल पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

सरायपाली। धान खरीदी एवं भंडारण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा राइस मिलों का सतत भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। भौतिक सत्यापन के इसी क्रम में सरायपाली विकासखंड अंतर्गत बालोदिया राइस मिल में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। भौतिक सत्यापन में 61,203 बोरा धान की कमी पाए जाने पर राइस मिल में उपलब्ध संपूर्ण धान एवं चावल के स्टॉक को जब्त किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली के नेतृत्व में खाद्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा राइस मिल का भौतिक सत्यापन किया गया। जांच के दौरान राइस मिल परिसर में 2328 क्विंटल चावल (4656 बोरा) तथा 37,759.6 क्विंटल धान (94,399 बोरा) भौतिक रूप से उपलब्ध पाया गया, जबकि अभिलेखों के अनुसार बड़ी मात्रा में धान की कमी पाई गई, जिसके कारण वहां उपलब्ध धान एवं चावल के संपूर्ण स्टॉक को जब्त कर लिया गया है। जब्ती की यह कार्रवाई आगामी कानूनी प्रक्रिया एवं विस्तृत जांच के अधीन रखी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में धान खरीदी, भंडारण एवं परिवहन व्यवस्था को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाए रखने के लिए इस प्रकार की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उल्लंघन करने वाले राइस मिल संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पटवारी लालकृष्ण देवांगन निलंबित, अवैध धान परिवहन मामले में कार्रवाई

महासमुन्द। राजस्व पटवारी संघ तहसील बसना के पत्रानुसार पटवारी लालकृष्ण देवांगन द्वारा अवैध धान परिवहन की रोकथाम के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार श्री देवांगन, तत्कालीन पटवारी हल्का नंबर 20 तहसील बसना द्वारा 21 दिसंबर 2025 की रात्रि में ग्राम उमरिया क्षेत्र में ओड़िशा के वाहन से 420 कट्टा धान का अवैध परिवहन कराया जाता हुआ पाया गया था। इस घटना का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में भी हुआ, जिससे शासन-प्रशासन की छवि धूमिल हुई। उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना द्वारा 8 जनवरी 2026 को संबंधित पटवारी को कारण बताओ सूचना जारी की गई थी। प्राप्त जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर यह स्पष्ट हुआ कि श्री लालकृष्ण देवांगन द्वारा कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही बरती गई है। फलस्वरूप, उनके कदाचरण, अनुशासनहीनता एवं शासकीय कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही को देखते हुए छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली भाग-एक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 09 के उपनियम (1)(क) के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना श्री हरीशंकर पैंकरा द्वारा श्री लालकृष्ण देवांगन, पटवारी (तत्कालीन प.ह.नं.-20, वर्तमान प.ह.नं.-42 तहसील बसना) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

राम-नाम की धुन पर 850 भक्त रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या रवाना

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने दिखाई हरी झंडी

सरगुजा। सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर भारत गौरव ट्रेन आज दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम और काशी के लिए रवाना हुई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल और महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने हरी झंडी दिखाकर इस रामलला दर्शन योजना की स्पेशल ट्रेन को विदाई दी। स्टेशन पर माहौल भक्तिमय था, जहां जय श्री राम के नारे और भजन गुंजायमान हो रहे थे। जिला पंचायत अध्यक्ष, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, आईआरसीटीसी और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी भी मौजूद थे। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने श्रद्धालुओं से व्यक्तिगत मुलाकात कर कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने रामलला दर्शन योजना के तहत सभी व्यवस्थाएं की हैं। आपको किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े, यही हमारा संकल्प है। अब तक 41 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को हमने राम दर्शन का सौभाग्य प्रदान किया है, और यह यात्रा आगे भी जारी रहेगी। ट्रेन रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं में अपार उत्साह और भावुकता का माहौल था। कईयों की आंखें नम थीं, क्योंकि रामलला के दर्शन का लंबा इंतजार आज पूरा हो रहा था। स्थानीय निवासी श्रीमती राधा यादव ने जय सिया राम! कहते हुए कहा कि हमारे लिए यह सपने जैसा है। घर से राम जी के दर्शन तक मुफ्त यात्रा, भोजन और ठहरने की व्यवस्था से हम लोग गद्गद हैं। वहीं, युवा श्रद्धालु श्री अजय साहू कहते हैं कि काशी में गंगा स्नान और अयोध्या में रामलला दर्शन कर हम धन्य हो जाएंगे।

परंपरा को तकनीक से जोड़कर आत्मनिर्भरता की ओर

पी.एम. विश्वकर्मा योजना से कुम्हार कला को मिली नई पहचान और रोजगार

रायपुर। राज्य एवं केंद्र शासन की योजनाएं पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरबा जिले के रामकुमार प्रजापति इसका उदाहरण हैं, जिन्होंने पी.एम. विश्वकर्मा योजना के माध्यम से अपने पारंपरिक कुम्हार व्यवसाय को नई दिशा और पहचान दी है। रामकुमार प्रजापति वर्षों से अपने पारंपरिक कुम्हार कार्य से जुड़े हुए हैं। मिट्टी को आकार देने की कला उन्हें पारिवारिक परंपरा में विरासत के रूप में मिली है। हालांकि समय के साथ बाजार की मांग, आधुनिक डिज़ाइन और तकनीकी संसाधनों के अभाव के कारण उनका व्यवसाय सिमट गया था। ऐसे समय में शासन की पी.एम. विश्वकर्मा योजना उनके लिए परिवर्तनकारी साबित हुई। योजना के अंतर्गत रामकुमार प्रजापति ने लाइवलीहुड कॉलेज, कोरबा में कुम्हार ट्रेड का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

धान खरीदी में पारदर्शिता सुनिश्चित करने कलेक्टर का औचक निरीक्षण

उपार्जन केंद्र में अनियमितता पर कलेक्टर का कड़ा रुख, तिलकेजा समिति प्रबन्धक निलंबित, चिकनीपाली प्रबंधक को नोटिस जारी

कोरबा। कलेक्टर ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था का जायजा लेते हुए कोरबा एवं करतला विकासखंड के विभिन्न उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों में वास्तविक किसानों से धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने समितियों को निर्देशित किया कि केंद्रों में आने वाले धान को अनिवार्य रूप से पलटी कराकर ढेरी लगाई जाए, नमी की जांच तथा पुराने एवं अमानक स्तर के धान की खरीदी पर पूर्णतः रोक लगाई जाए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे, जिला खाद्य अधिकारी जी एस कंवर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने भैंसमा, तिलकेजा एवं चिकनीपाली उपार्जन केंद्रों में चल रही खरीदी प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने समिति प्रबंधक एवं फड़ प्रभारियों से अब तक हुई खरीदी, पंजीकृत किसानों की संख्या, धान बेचने वाले किसानो की संख्या, जारी टोकन, धान उठाव एवं बारदाना उपलब्धता की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही धान का नमी परीक्षण एवं वजन कराकर मौके पर भौतिक सत्यापन भी किया। उन्होंने निर्देशित किया कि पात्र किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए, सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर ने समिति में आए किसानों से संवाद कर टोकन प्राप्ति की प्रक्रिया, केंद्रों में उपलब्ध सुविधाएं, खेती की स्थिति, उगाए गए धान की किस्म एवं पैदावार की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान भैंसमा समिति में एक किसान के पास पुराना एवं अमानक स्तर का धान पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा अमानक धान को जब्त करने के निर्देश दिए गए।

मंत्री गजेंद्र ने किया विधि विभाग की नई वेबसाइट का लोकार्पण

विधि एवं विधायी कार्य विभाग तथा ग्रामोद्योग एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में विधि विभाग की नई आधिकारिक वेबसाइट

चिप्स द्वारा विकसित की गई आधुनिक वेबसाइट

रायपुर। नई वेबसाइट को चिप्स द्वारा तैयार की गई है। प्रमुख सचिव, विधि विभाग के निर्देश एवं श्री सी. के. कश्यप, अतिरिक्त सचिव के मार्गदर्शन में श्री सोमेश्वर पात्र, वेबसाईट एडमिनिस्ट्रेटर ने चिप्स के साथ मिलकर वेबसाईट निर्माण में विशेष भूमिका निभाई है। यह वेबसाइट तकनीकी रूप से उन्नत एवं उपयोगकर्ता के अनुकूल है, जिससे नागरिकों को विधि संबंधी जानकारी सरलता से उपलब्ध हो सकेगी।

न्यायिक संस्थानों के लिए सिंगल प्लेटफॉर्म

इस वेबसाइट के माध्यम से उच्च न्यायालय, महाधिवक्ता कार्यालय, सभी जिला न्यायालय, सभी ट्रिब्यूनल तथा राजस्व न्यायालयों को सीधे रीडायरेक्ट किया जा सकता है, जिससे न्यायिक प्रक्रियाओं से जुड़ी जानकारी एक ही मंच पर प्राप्त होगी।

आम नागरिकों के लिए विधि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी

वेबसाइट पर आम नागरिकों की जानकारी के लिए कानून से संबंधित अधिनियम, अधिसूचनाएँ एवं नियम अपलोड किए जाएंगे। साथ ही केंद्र सरकार की सभी विधि संबंधी वेबसाइट एवं पोर्टल्स के लिंक भी उपलब्ध कराए गए हैं।

नई वेबसाइट के माध्यम से विभाग की संगठनात्मक संरचना, शासकीय अधिवक्ताओं की जानकारी, नोटरी, विभागीय सेटअप, विभागीय बजट जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्राप्त की जा सकती हैं। साथ ही माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, महाधिवक्ता कार्यालय, एम्प्लॉई कॉर्नर सहित ई-कोर्ट एवं कोर्ट केस मॉनिटरिंग सिस्टम पर सीधे ही पहुंचा जा सकता है।

वरिष्ठ अधिकारी रहे उपस्थित

इस अवसर पर विधि विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती सुषमा सावंत, अतिरिक्त सचिव श्री दीपक देशलहरे, अतिरिक्त सचिव श्री भूपेंद्र वासनीकर, उपसचिव श्री राहुल कुमार, अवर सचिव श्री दिलीप सेन सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं चिप्स कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से भारतीय वन सेवा 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुलाकात।

पेंशनरों के लिए जीवन प्रमाण शिविर 19 को रायपुर में

रिज़र्व बैंक सहित सभी बैंकों के प्रतिनिधि रहेंगे उपस्थित

रायपुर। पेंशनरों को समय पर पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं लीड बैंक (बैंक ऑफ बड़ौदा), रायपुर के निर्देशानुसार जीवन प्रमाण सत्यापन हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में भारतीय रिज़र्व बैंक के अधिकारियों द्वारा पेंशनरों को वित्तीय साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्रदान की जाएँगी।

यह शिविर सोमवार, 19 जनवरी 2026 को रेड क्रॉस सभागार, रायपुर में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में उन पेंशनरों का जीवन प्रमाण सत्यापन किया जाएगा, जिनका प्रमाणीकरण अब तक नहीं हो पाया है अथवा जीवन प्रमाण के अभाव में जिनका पेंशन भुगतान प्रभावित हो रहा है।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष श्री वीरेन्द्र नामदेव ने बताया कि यह शिविर विशेष रूप से वृद्ध, अशक्त एवं गंभीर रूप से अस्वस्थ पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया है, जिन्हें प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में कलेक्टरों से मिलकर यह शिकायत की गई थी कि जीवन प्रमाणपत्र समय पर जमा करने के बावजूद बैंकों की तकनीकी प्रक्रियागत त्रुटियों के कारण दिसंबर 2025 की पेंशन से अनेक पेंशनर वंचित रह गए हैं। रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र शिविर आयोजित कराने का आश्वासन दिया था। उसी के तारतम्य में यह शिविर आयोजित किया जा रहा है।

पोषण सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में धांधली, फोर्टीफाइड राइस के टेंडर शर्तों में बदलाव कर 200 करोड़ का भ्रष्टाचार - दीपक बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और पोषण सुरक्षा के लिए जरूरी फोर्टीफाइड राइस एफआरके के टेंडर की शर्तों में षडयंत्र के तहत बदलाव कर 200 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि 2025-26 के लिए जारी टेंडर में एक हफ्ते के भीतर दुर्भावना पूर्वक बदलाव किया गया जिससे पूरी क्रय प्रक्रिया को नियंत्रित किया जा सके, सरकार के इस भेदभाव पूर्ण निर्णय से 80 प्रतिशत स्थानीय सप्लायर टेंडर की प्रक्रिया से बाहर हो गए हैं, अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने दुगुने दाम पर खरीदी की तैयारी है, सरकारी खजाने में 200 करोड़ की चोट यह सरकार लगा रही है, सरकार का फोकस कमीशनखोरी की काली कमाई में हिस्सेदारी में है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि 19 दिसंबर 2025 को जारी टेंडर की शर्तों में बदलाव करते हुए भ्रष्टाचार को अंजाम देने के लिए 26 दिसंबर को नया टेंडर जारी किया गया जिसमें कई तकनीकी और वित्तीय शर्तें जोड़ी गई, जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ के छोटे और मध्यम एफआरके निर्माता अयोग्य हो गए, अपने इस सरकार में खरीदी से पहले ही सब कुछ तय कर लिया जा रहा है और अपने चाहते फर्मों की लाभ पहुंचाने उनके अनुकूल शर्तें लादी जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार की दुर्भावना पूर्वक नीतियों के चलते हैं छत्तीसगढ़ के स्थानीय उद्योग और प्रोसेसिंग इकाइयां संकट में है। इस सरकार की गलत नीतियों के चलते विगत दो सालों में छत्तीसगढ़ की सैकड़ों राइस मिल बंद हो गई, स्थानीय राइस मिल इकाइयां और फोर्टिफिकेशन पर संकट उत्पन्न हो गया है, रायगढ़, बिलासपुर, जांजगीर, रायपुर और महासमुंद जिले के ज्यादातर मिले बंद होने के कगार पर है, इससे गरीब और बच्चों को मिलने वाला पोषणयुक्त चावल योजना सरकार के भ्रष्टाचार की भेट चढ़ रहा है।

जगदलपुर के लामनी एवीयरी में नए मेहमानों का हुआ स्वागत

ब्लू गोल्ड मकाऊ और अफ्रीकन ग्रे पैरेट के आगमन से गुलजार हुआ परिसर

जगदलपुर। जगदलपुर नगर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल लामनी बर्ड पार्क में बुधवार का दिन प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए बेहद खास रहा। पार्क के प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता में चार चांद लगाने के लिए नए मेहमानों के रूप में विदेशी पक्षियों का आगमन हुआ है। बुधवार को एवीयरी में बेहद आकर्षक 'ब्लू-एंड-गोल्ड मकाऊ' और 'अफ्रीकन ग्रे पैरेट' को लाया गया, जिसके बाद से ही ये पक्षी पार्क में आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन नए आगंतुकों के आने से पार्क का पक्षी संग्रह अब और भी समृद्ध हो गया है। इस दौरान प्रकृति प्रेमियों, पर्यटकों सहित नागरिकों ने इन नए मेहमानों का उत्साह के साथ स्वागत किया।

लामनी बर्ड ?पार्क में पहुंचे इन नए मेहमानों में 'ब्लू-एंड-गोल्ड मकाऊ', जिसे आरा अरारौना भी कहा जाता है, मूल रूप से मध्य और दक्षिण अमेरिका के जंगलों और सवाना का निवासी है। अपनी बुद्धिमत्ता और चटख रंगों के लिए मशहूर इस तोते का ऊपरी हिस्सा गहरा नीला और निचला हिस्सा (पेट और छाती) चमकदार सुनहरा-पीला होता है, जो इसे अद्भुत सौंदर्य प्रदान करता है। इसके सिर पर हरा रंग और चोंच के पास काले पंखों से सजी सफेद त्वचा इसकी विशिष्ट पहचान है। लगभग 34 से 36 इंच की लंबाई और 41 से 45 इंच के पंखों के फैलाव वाले ये विशाल तोते न केवल देखने में सुंदर हैं, बल्कि इंसानों की तरह बातचीत करने में भी सक्षम हैं। इनके साथ ही आया 'अफ्रीकन ग्रे पैरेट' अपनी सटीक नकल करने की क्षमता के लिए दुनिया भर में जाना जाता है, जो पर्यटकों विशेषकर बच्चों के लिए मनोरंजन का एक नया जरिया बनेगा।

बस्तर वनमंडलाधिकारी श्री उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि मकाऊ और अफ्रीकन ग्रे पैरेट पालतू पक्षी के रूप में बहुत लोकप्रिय हैं क्योंकि ये बहुत सामाजिक, बुद्धिमान और चंचल होते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि ये पक्षी शब्दों और वाक्यांशों को दोहरा सकते हैं और अपने मालिकों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव बना लेते हैं। हालांकि इन्हें बहुत अधिक ध्यान, उचित पोषण और देखभाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि इनकी चोंच बहुत मजबूत होती है और ये मेवे तोड़ने में सक्षम होते हैं।

सबसे खास बात यह है कि ये पक्षी लंबे समय तक जीवित रहते हैं और इनकी आयु 80 साल तक हो सकती है, इसलिए इनका पालन-पोषण एक बड़ी जिम्मेदारी का काम है। लामनी पार्क में इन विदेशी पक्षियों के आगमन से उम्मीद है कि शहरवासी और पर्यटक, विशेषकर बच्चे, इन रंग-बिरंगे और बातूनी पक्षियों को करीब से देखने के लिए बड़ी संख्या में यहां पहुंचेंगे।

क्या भारत छठी बार जीतेगा अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप :टूर्नामेंट आज से, 22 दिन में 41 मुकाबले

नई दिल्ली। अंडर-19 वनडे वर्ल्ड कप 2026 का 16वां एडिशन आज से शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट 15 जनवरी से 6 फरवरी तक दो अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। इस वर्ल्ड कप में कुल 41 मुकाबले खेले जाएंगे।

22 दिनों तक चलने वाले इस मेगा इवेंट में 16 टीमें खिताब के लिए मैदान पर उतरेंगी। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया है, जबकि सबसे ज्यादा पांच बार ट्रॉफी जीत चुका भारत छठा टाइटल जीतने के लिए मैदान में होगा।

वर्ल्ड कप के सभी मैच जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जाएंगे। मुकाबले स्थानीय समय के अनुसार सुबह 9:30 बजे शुरू होंगे, जबकि भारतीय समय के हिसाब से दोपहर 1 बजे से खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला मैच 15 जनवरी को भारत और अमेरिका के बीच जिम्बाब्वे के बुलावायो स्थित क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा।

सभी मुकाबले 50-50 ओवर के होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत ग्रुप स्टेज से होगी, जहां 16 टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है और हर टीम अपने ग्रुप की बाकी टीमों से एक-एक मैच खेलेगी। ग्रुप स्टेज के बाद हर ग्रुप की टॉप-3 टीमें यानी कुल 12 टीमें सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करेंगी, जबकि चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें प्लेसमेंट मैच खेलेंगी।

सुपर सिक्स स्टेज में 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप-ए और ग्रुप-डी की टॉप-3 टीमें मिलकर एक ग्रुप बनाएंगी, जबकि ग्रुप-बी और ग्रुप-सी की टॉप-3 टीमें दूसरे सुपर सिक्स ग्रुप में शामिल होंगी। इस स्टेज की सबसे खास बात यह है कि ग्रुप स्टेज में जिन टीमों को हराकर कोई टीम सुपर सिक्स में पहुंचती है, उनके खिलाफ हासिल किए गए पॉइंट्स आगे भी जोड़े जाएंगे। सुपर सिक्स के बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और फिर जीतने वाली टीमें 6 फरवरी को हरारे में फाइनल खेलेगी।

भारत को ग्रुप-बी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और अमेरिका से होगा। टीम अपने सभी ग्रुप मुकाबले जिम्बाब्वे के बुलावायो में खेलेगी। टूर्नामेंट से पहले खेले गए अभ्यास मैचों में भारत को एक जीत और एक हार का सामना करना पड़ा। पहले मुकाबले में भारत ने स्कॉटलैंड को हराया, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने 50 गेंदों में 96 रन बनाए। दूसरे अभ्यास मैच में टीम को इंग्लैंड के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा।

इस अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान अलग-अलग ग्रुप में रखे गए हैं। ऐसे में ग्रुप स्टेज में दोनों टीमों की भिड़ंत नहीं होगी। हालांकि, अगर दोनों टीमें सुपर सिक्स या सेमीफाइनल तक का सफर तय करती हैं, तो नॉकआउट स्टेज में भारत-पाकिस्तान मुकाबला देखने को मिल सकता है। हाल ही में दोनों टीमों की टक्कर अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में हुई थी, जहां पाकिस्तान ने भारत को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

भारत अंडर-19 वर्ल्ड कप के इतिहास की सबसे सफल टीम रही है। टीम अब तक पांच बार (2000, 2008, 2012, 2018 और 2022) यह खिताब जीत चुकी है, जबकि 2006, 2016, 2020 और 2024 में टीम उपविजेता भी रही। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया है, जिसने 2024 के फाइनल में भारत को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल चार बार चैंपियन बन चुका है। इसके अलावा पाकिस्तान ने दो बार, जबकि वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और इंग्लैंड एक-एक बार अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब जीत चुके हैं।

ईरान से व्यापार करने पर अमेरिका लगाएगा 25 प्रतिशत टैरिफ, क्या भारत पर पड़ेगा असर?

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उस पर अमेरिका 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। भारत पहले से ही अमेरिका के 50 प्रतिशत ऊंचे टैरिफ का सामना कर रहा है, ऐसे में यह फैसला भारत के लिए चिंता बढ़ा सकता है।

भारत, ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया और वहां से 0.44 अरब डॉलर का सामान आयात किया। इस तरह दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 1.68 अरब डॉलर का रहा। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, भारत और ईरान महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार हैं। हाल के वर्षों में भारत ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। भारत ईरान को चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, कृत्रिम रेशे, बिजली के उपकरण और कृत्रिम आभूषण जैसे सामान भेजता है। तो वहीं भारत ईरान से सूखे मेवे, रासायनिक पदार्थ और कांच के बने सामान आयात करता है। भारत और ईरान ने वर्ष 2015 में ईरान के चाबहार स्थित शाहिद बेहेश्टी बंदरगाह को मिलकर विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। यह बंदरगाह भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके जरिए भारत अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक व्यापार कर सकता है। हाल ही में अमेरिका ने भारत को चाबहार बंदरगाह पर अपना परिचालन जारी रखने के लिए दी गई प्रतिबंधों में छूट को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है, जो 29 अक्तूबर से प्रभावी है।

बजट 2026-27 : सीओएआई की सरकार से मांग टेलीकॉम लाइसेंस फीस घटाएं, स्पेक्ट्रम की कीमतों को फिर से तय करें

नई दिल्ली। सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने मंगलवार को सरकार से आग्रह किया कि आने वाले बजट में टेलीकॉम लाइसेंस फीस को मौजूदा 3 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत या एक प्रतिशत कर दिया जाए, जिससे प्रशासनिक खर्च को आराम से कवर किया जा सके।

टेलीकॉम ऑपरेटर्स की प्रमुख इंडस्ट्री बॉडी ने यह भी सुझाव दिया कि स्पेक्ट्रम पर रिवर्स चार्ज पेमेंट, लाइसेंस फीस, स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज आदि पर जीएसटी की दर को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया जा सकता है, क्योंकि इससे सरकार की आय पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा और इससे इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) जमा को कम करने में मदद मिलेगी। सीओएआई के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. एस.पी. कोचर ने कहा, सीओएआई ऐसे उपायों की वकालत कर रहा है जो सेक्टर के वित्तीय बोझ को कम करेंगे, जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी का और विस्तार और रोलआउट हो सकेगा।

कोचर ने आगे कहा कि लाइसेंस फीस, जो लाइसेंस (एजीआर का 3 प्रतिशत) और डिजिटल भारत निधि योगदान (एजीआर का 5 प्रतिशत) का मिश्रण है, लाइसेंस्ड टेलीकॉम कंपनियों के लिए एक बहुत बड़ा वित्तीय बोझ है। उन्होंने कहा, डिजिटल भारत निधि का योगदान तब तक रोक दिया जाना चाहिए जब तक कि टेलीकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट द्वारा अप्रयुक्त निधि का पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं कर लिया जाता। सीओएआई ने सिफारिश की कि टेलीकॉम ऑपरेटरों को जीएसटी में विशेष लाभ दिया जाए, जिसमें एलएफ, एसयूसी और नीलामी के तहत दिए गए स्पेक्ट्रम के नियामक भुगतान पर जीएसटी में छूट दी जाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से बजट 2026-27 एक फरवरी को पेश किया जाएगा। वित्त वर्ष 2027 का बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला लगातार नौवां बजट होगा। उन्होंने सी.डी. देशमुख (7 बजट) के बाद लगातार सबसे अधिक बजट प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड पहले ही बना लिया है। यदि वे वित्त वर्ष 2028 का बजट भी प्रस्तुत करती हैं, तो वे दिवंगत मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगी, जिन्होंने दो कार्यकालों-1959 से 1964 के बीच छह और 1967 से 1969 के बीच चार-में कुल 10 बजट प्रस्तुत किए थे।

वित्तीय क्षेत्र में आया बड़ा विदेशी निवेश कई वर्षों के कार्य का नतीजा : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को कहा कि देश के वित्तीय क्षेत्र में आया बड़ा विदेशी निवेश कई वर्षों के कार्य का नतीजा है। एनडीटीवी प्रॉफिट को दिए एक इंटरव्यू में केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि दर के कारण आने वाले समय में विदेशी निवेश आकर्षित करती रहेगी। यह गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसे कंपनियों की ओर से देश में किए जा रहे भारी निवेश और एफटीए में बड़ी प्रतिबद्धताओं से भी स्पष्ट होता है। विदेशी निवेशकों से निवेश हर साल एक समान नहीं रहेगा, लेकिन भारत बैंकिंग, टेक्नोलॉजी और अर्थव्यवस्थाओं के अन्य बड़े सेक्टर्स में गुणवत्तापूर्ण निवेश आकर्षित करता रहेगा। 2025 में भारत के वित्तीय क्षेत्र में कई बड़ी डील देखने को मिली हैं। इन डील में एमिरेट्स एनबीडी द्वारा आरबीएल बैंक में 3 अरब डॉलर में हिस्सेदारी खरीदना, प्राइवेट इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन द्वारा फेडरल बैंक में 705 मिलियन डॉलर में 9.9 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना और अबू धाबी स्थित आईएचसी द्वारा सम्मान कैपिटल में 1 अरब डॉलर में 43.46 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना शामिल है।

एफआईसीसीआई ने बजट 2026-27 के लिए साझा की उम्मीदें, टैक्स प्रक्रिया को सरल बनाने पर हो फोकस

देश के बड़े औद्योगिक निकाय एफआईसीसीआई ने मंगलवार को आम बजट 2026-27 पर अपनी उम्मीदों साझा किया, जिसमें प्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क संग्रह जैसे विषयों पर सुझाव शामिल है। एफआईसीसीआई ने बयान में कहा कि आयकर आयुक्त अपील के सामने बकाया मामलों को कम करना नए फेसलेस अपील सिस्टम की सफलता के लिए और करदाताओं को डिमांड और रिफंड ब्लॉक होने से होने वाली मुश्किलों को कम करने के लिए बहुत जरूरी है।

नई दिल्ली। बयान में आगे कहा गया कि मौजूदा समय में आयकर आयुक्त अपील के सामने बड़ी संख्या में मामले बकाया है और एक अप्रैल 2025 को करीब 5.4 लाख मामले अटके हुए हैं और इसमें 18.16 लाख करोड़ रुपए की राशि शामिल है।

एफआईसीसीआई ने मुताबिक, 2025-26 के लिए सेंट्रल एक्शन प्लान (सीएपी) का लक्ष्य 2 लाख मामलों को निपटाना और अलग-अलग शुल्कों (इंटरनेशनल टैक्स और ट्रांसफर प्राइसिंग, सेंट्रल फेसलेस और जेसीआईटी (अपील)) के लिए 10 लाख करोड़ रुपए की विवादित मांग का निपटारा करना है। लेकिन क्षमता बढ़ाए बिना या निपटारे के लिए अलग-अलग ट्रैक और टाइमलाइन के बिना, बैकलॉग को खत्म करना मुश्किल है।

बयान में कहा गया है कि बकाया मुकदमे कंपनियों की किताबों में कंटिंजेंट लायबिलिटी के तौर पर दिखते हैं, जिससे भारतीय प्रमोटरों द्वारा एडीआई निवेशकों को शेयर बेचते समय उनके शेयरों का वैल्यूएशन कम हो जाता है। मामलों के ज्यादा बकाया होने की वजह से सरकार को भी आय का नुकसान होता है।

एफआईसीसीआई ने मुकदमेबाजी में फंसी राशि को निकालने, टैक्सपेयर्स के लिए वर्किंग कैपिटल ब्लॉकेज को आसान बनाने और रेवेन्यू कलेक्शन के हितों पर बुरा असर डाले बिना, अपील के दौरान डिमांड पर पूरी रोक लगाने की सुविधा के लिए प्रावधानों को तर्कसंगत बनाने की भी मांग की है। एफआईसीसीआई सीमा शुल्क के नियमों में भी बदलाव करने की मांग की है। औद्योगिक निकाय का कहना है कि अग्रिम निर्णयों के लिए सीमा शुल्क प्राधिकरण (एएआर) के कार्यालयों का और विस्तार करना चाहिए। साथ ही कि सेल्फ-डिक्लेयरिंग एक्सटेंशन की अनुमति देने से ट्रेड में निश्चितता बढ़ेगी, अनुपालन का बोझ कम होगा और सीमा शुल्क मामलों में मुकदमेबाजी कम होगी। फिलहाल, सीएएआर के ऑफिस सिर्फ नई दिल्ली और मुंबई में हैं, और उनके बीच पूरे भारत का ज्यूरिस्डिक्शन बंटा हुआ है। ऐसा तब है, जब देश के दक्षिण और पूर्व में चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता जैसे बंदरगाहों से जुड़े ट्रेड से काफी संख्या में आवेदन आते हैं।

मैरी कॉम के पूर्व पति का सनसनीखेज आरोप- शादीशुदा होते हुए मैरी के थे दो अफेयर, जूनियर बॉक्सर से थी नजदीकियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। 6 बार की वर्ल्ड चैंपियन और भारत की स्टार बॉक्सर एमसी मैरी कॉम की निजी जिंदगी का विवाद अब खुलकर सड़क पर आ गया है। मैरी कॉम और उनके पूर्व पति करोंग ओंखोलेर के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। पूर्व पति ओंखोलेर ने मैरी कॉम पर चरित्र को लेकर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि शादीशुदा होने के बावजूद मैरी कॉम के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर (विवाहेतर संबंध) थे। यह बयान उन्होंने न्यूज एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत में दिया है।

करोंग ओंखोलेर ने मीडिया के सामने खुलासा करते हुए बताया कि साल 2013 में मैरी कॉम का एक जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर चल रहा था। उस वक्त इस बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच काफी झगड़ा भी हुआ था, लेकिन बाद में मामला सुलझा लिया गया था। ओंखोलेर यहीं नहीं रुके, उन्होंने एक और अफेयर का जिक्र करते हुए कहा कि साल 2017 में मैरी अपनी एकेडमी में काम करने वाले एक आदमी के साथ रिश्ते में थीं। ओंखोलेर ने दावा किया कि उनके पास इन आरोपों को साबित करने के लिए उस व्यक्ति का नाम और व्हाट्सएप मैसेज जैसे सबूत भी मौजूद हैं।

मैरी कॉम के आरोपों के बाद किया पलटवार

पूर्व पति का यह बयान तब सामने आया है, जब हाल ही में मैरी कॉम ने एक टीवी शो के दौरान ओंखोलेर पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए थे। मैरी कॉम ने कहा था कि उनके पूर्व पति ने उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर लोन लिया और धोखे से करोड़ों की संपत्ति हड़प ली। मैरी ने यह भी कहा था कि उनका पति एक रुपया भी नहीं कमाता था और पूरा घर उनकी कमाई से ही चलता था। इसी के जवाब में अब ओंखोलेर ने अफेयर की बात सार्वजनिक की है।

मैरी कॉम द्वारा लगाए गए आर्थिक धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करते हुए ओंखोलेर ने अपना दर्द बयां किया। उन्होंने कहा कि मैरी कॉम की बॉक्सिंग एकेडमी की नींव रखने और उसे खड़ा करने में उनकी बहुत बड़ी भूमिका रही है, लेकिन अब उन्हें 'यूज एंड थ्रो' की तरह बाहर निकाल दिया गया है।

पाकिस्तान से रिश्ता पड़ा भारी, भारत ने 4 प्रमुख खिलाड़ियों के वीजा किए रिजेक्ट

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं, लेकिन टूर्नामेंट के आगाज से पहले ही एक बड़े विवाद ने दस्तक दे दी है। बांग्लादेश के भारत न आने की धमकियों के बीच अब एक ऐसी खबर आई है जिसने अमेरिकी क्रिकेट टीम के होश उड़ा दिए हैं। खबर है कि वर्ल्ड कप खेलने आ रही अमेरिकी टीम के चार प्रमुख खिलाड़ियों का वीजा भारत ने खारिज कर दिया है, जिसके बाद उनके टूर्नामेंट में खेलने पर सस्पेंस गहरा गया है।

स्टार गेंदबाज ने सोशल मीडिया पर बयां किया दर्द

वीजा रद्द होने की खबर सबसे पहले अमेरिकी टीम के स्टार तेज गेंदबाज अली खान के जरिए सामने आई। अली खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर खुलासा किया कि उन्हें भारत आने का वीजा नहीं मिला है। इसके बाद खेल पत्रकार पीटर डेला पेन्या ने आग में घी डालने का काम किया। उन्होंने बताया कि सिर्फ अली खान ही नहीं, बल्कि उनके तीन अन्य साथियों—बल्लेबाज शायन जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल—का वीजा आवेदन भी खारिज कर दिया गया है।

अमेरिका की जर्सी, लेकिन 'कनेक्शन' पाकिस्तान का?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि पूरी टीम में से सिर्फ इन्हीं चार खिलाड़ियों का वीजा क्यों रोका गया? इसकी वजह बेहद चौंकाने वाली है। दरअसल, भले ही ये खिलाड़ी अब अमेरिका के लिए खेलते हैं, लेकिन इन चारों का गहरा नाता पाकिस्तान से है। ये चारों पाकिस्तानी मूल के हैं और इनका जन्म भी पाकिस्तान में ही हुआ है। 35 वर्षीय अली खान पाकिस्तानी पंजाब से हैं, जबकि शायन जहांगीर कराची के रहने वाले हैं और पाकिस्तान की अंडर-19 टीम में रह चुके हैं।

हैरानी की बात यह है कि वीजा न पाने वाले एहसान आदिल तो अमेरिका जाने से पहले पाकिस्तान की नेशनल टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 3 टेस्ट और 5 वनडे मैच खेले हैं। माना जा रहा है कि इनके 'पाकिस्तानी बैकग्राउंड' के चलते ही सुरक्षा कारणों से इनका वीजा अटक गया है। हालांकि, अभी तक इस मसले पर न तो अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड और न ही भारत सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है, लेकिन इस घटना ने वर्ल्ड कप से पहले सियासी और खेल के गलियारों में हलचल बढ़ा दी है।

कंधे की चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से हटे कॉककिनाकिस

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के थानासी कोकिनाकिस ने बुधवार को दाहिने कंधे में चोट के कारण एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया, जिससे उनके विरोधी वैलेंटीन वैचेरोट को वॉकओवर मिल गया। नतीजतन, 2025 शंघाई चैंपियन वैचेरोट क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए हैं। यह मोनेगास्क खिलाड़ी अब या तो टॉप सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना या ऑस्ट्रेलियाई रिंकी हिजिकाटा का सामना करेंगे।

डेविडोविच फोकिना बुधवार शाम को सेंटर कोर्ट पर हिजिकाटा से खेलेंगे। कोकिनाकिस ने सोमवार शाम एकल मुकाबलों में लंबे इंतजार के बाद दमदार वापसी की। पेक्टोरल मांसपेशी की पुरानी समस्या के चलते सर्जरी कराने के बाद वह करीब 12 महीनों से टेनिस से दूर थे। घरेलू दर्शकों के पसंदीदा खिलाड़ी को मैच के दौरान कंधे की चोट ने फिर परेशान किया, लेकिन दर्द को दरकिनार करते हुए उन्होंने एडिलेड इंटरनेशनल में लगभग एक साल बाद अपने पहले एकल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। पिछले साल 15 जनवरी के बाद अपने पहले सिंगल्स मैच में, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दर्द के बावजूद अपना वापसी मैच पूरा किया। फाइनल-सेट टाई-ब्रेक में सेबेस्टियन कोर्डा को हराया, लेकिन पूरे मैच के दौरान उन्हें अपने दाहिने कंधे में साफ तौर पर परेशानी हो रही थी।

कोकिनाकिस ने अपने मैच के बाद कहा, यह मुश्किल है। जाहिर है, सर्व करने की वजह से मेरे दाहिने हाथ ने मेरे पूरे करियर में मुझे परेशान किया है। बहुत सारे %अगर ऐसा होता तो क्या होता% वाले सवाल हैं, खासकर मेरे दिमाग में, अगर मुझे इससे परेशानी नहीं होती। मुझे पता है कि छोटी-मोटी चोटें यहां-वहां सामान्य हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं जिस दौर से गुजरा हूं, वह थोड़ा असामान्य है। उन्होंने आगे कहा, यह मानसिक रूप से मुश्किल है। मैंने पूरा साल रिहैब में बिताया, इसे ठीक करने की कोशिश की। मेरी सर्जरी हुई थी। यह पिछले साल के दर्द से थोड़ा अलग था। मैं देखूंगा कि कल सुबह कैसा महसूस करता हूं। लेकिन, हां, यह मुश्किल है। यह निश्चित रूप से जीत का मजा किरकिरा कर देता है। पिछले फरवरी में, कोकिनाकिस के दाहिने पेक्टोरल मांसपेशी और कंधे की सर्जरी हुई थी। इसके बाद उन्होंने, पिछले सप्ताह ब्रिसबेन इंटरनेशनल में निक किर्गियोस के साथ डबल्स में वापसी की, लेकिन अपने गृहनगर में सेंटर कोर्ट पर कदम रखने पर सिंगल्स में वापसी के दौरान उनकी चोट फिर से उभर आई।

सच्ची घटना पर आधारित सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म 'चीकाटिलो' लेकर आ रही हैं शोभिता धुलिपाला

'द नाइट मैनेजर' जैसी वेब सीरीज में नजर आईं अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। यह एक सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का नाम 'चीकाटिलो' है। फिल्म की घोषणा के साथ ही इसका पहला पोस्टर भी जारी हुआ है, जिसमें शोभिता इटेंस लुक में नजर आ रही हैं।

एक पॉडकास्टर की कहानी है फिल्म

'चीकाटिलो' प्राइम वीडियो की ओरिजिनल तेलुगु भाषा की फिल्म है। हालांकि, यह हिंदी में भी रिलीज होगी। हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर बनी 'चीकाटीलो' एक रोमांचक क्राइम-सस्पेंस फिल्म है। कहानी संध्या नाम की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रू-क्राइम पॉडकास्टर है। इस किरदार को शोभिता धुलिपाला ने निभाया है। अपने इंटर्न की रहस्यमयी मौत के बाद न्याय पाने की अपनी लगातार कोशिश में संध्या को खौफनाक अपराधों की एक चौंकाने वाली कड़ी का पता चलता है। जिसके बाद उसके सामने शहर के कुछ सबसे खौफनाक और काले राज सामने आते हैं। फिल्म 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। शरण कोपिशेट्टी द्वारा निर्देशित 'चीकाटिलो' को डी. सुरेश बाबू ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी चंद्र पेम्माराजू और शरण कोपिशेट्टी ने लिखी है। फिल्म में शोभिता धुलिपाला और विश्वदेव राचकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा चैतन्य विशालक्ष्मी, ईशा चावला, झांसी, आमानी और वडलामणि श्रीनिवास भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

द ब्लफ में समुद्री डाकू बनीं हैं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल आइकॉन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द ब्लफ की झलक ने ही फैंस को दीवाना बना दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो आग की तरह फैल गई हैं। उनके हर अवतार से फैंस इंप्रेस हो गए हैं। फिल्म को आप कब और कहां देख सकते हैं, इसका भी ऐलान कर दिया गया है। हॉलीवुड और ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। वह इस बार बिल्कुल नए और अनदेखे किरदार में नजर आने वाली हैं। वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म द ब्लफ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में ताकत, मातृत्व, अतीत की परछाइयों और आत्मसंघर्ष का गहरा मेल देखने को मिलेगा। इस फिल्म के जरिए प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर साबित करती दिखेंगी कि वह नए रास्ते तलाशने से कभी पीछे नहीं हटतीं। उनकी फिल्म द ब्लफ एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें समुद्री लुटेरों की खतरनाक दुनिया दिखाई गई है। इसमें प्रियंका एर्सेल बॉडन नाम की एक निडर और ताकतवर महिला का किरदार निभा रही हैं, जो कभी ब्लडी मैरी के नाम से जानी जाने वाली एक खूंखार समुद्री डाकू रह चुकी है। यह भूमिका प्रियंका के अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इसमें केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि भावनात्मक गहराई भी देखने को मिलेगी।

प्रियंका ने रिलीज डेट का किया ऐलान

फिल्म की रिलीज से पहले प्रियंका ने अपने फैंस के साथ द ब्लफ की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। यह फिल्म 25 फरवरी 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के कुछ सीन्स की तस्वीरों को साझा किया। एक तस्वीर में प्रियंका खून से लथपथ, हथियार थामे और पूरी तरह लड़ाई के लिए तैयार नजर आ रही हैं। वहीं, एक और तस्वीर में प्रियंका तलवार लिए गुस्से में लड़ती दिख रही हैं। इसके अलावा, एक तस्वीर में वह खाने की टेबल पर फैमिली के साथ बैठी हैं। बाकी की तस्वीरों में वह कभी एक रक्षक के रूप में तो कभी समुद्री डाकू के लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फैंस इस नए अवतार को देखकर काफी उत्साहित हैं।

द ब्लफ रिलीज डेट

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने एक खास कैप्शन लिखा, मां... रक्षक... समुद्री डाकू, ब्लडी मैरी से मिलिए। द ब्लफ 25 फरवरी 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

मुकेश भट्ट ने आवारापन 2 की रिलीज में देरी पर तोड़ी चुप्पी

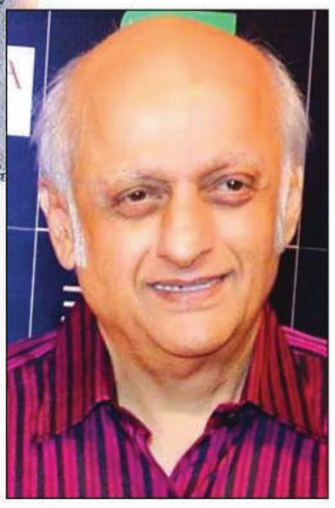

फिल्म प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट ने अपनी फिल्म आवारापन 2 की रिलीज में देरी की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि फिल्म में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि फिल्म पर अभी कुछ काम बाकी है, न कि इसलिए कि वे फिल्म धुरंधर 2 के आसपास थिएटर्स में फिल्म लाने से डर रहे हैं। दरअसल, आवारापन 2, साल 2007 की एक्शन-रोमांटिक ड्रामा फिल्म आवारापन का सीक्वल है, जिसमें इमरान हाशमी लीड रोल में थे। मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि आवारापन 2, 13 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी, क्योंकि फिल्म धुरंधर पार्ट 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज हो रही हैं। मुकेश भट्ट ने कहा कि फिल्म की रिलीज डेट अब मई या जून में शिफ्ट की गई है, क्योंकि शूटिंग के दौरान इमरान हाशमी का एक्सीडेंट हो गया था और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। मुकेश भट्ट ने यह भी कहा, इस वजह से उन्हें 45 दिनों तक एक्शन करने की इजाजत नहीं है। इसलिए सारे एक्शन सीक्वेंस बाद में शूट किए जाएंगे। मैं धुरंधर 2 और टॉक्सिक से बिल्कुल नहीं डरता। प्रोड्यूसर के मुताबिक, आवारापन 2 का करीब 20 दिनों का एक शूटिंग शेड्यूल अभी बाकी है, जो मार्च में मलेशिया में पूरा किया जाएगा।

आलिया भट्ट ने टॉक्सिक में यश के लुक पर दी प्रतिक्रिया

फिल्म टॉक्सिक का टीजर आज यश के जन्मदिन पर रिलीज किया गया। एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का टीजर सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। एक्शन से भरे इस टीजर ने फिल्म को लेकर फैंस के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। अब बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने टॉक्सिक के टीजर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आलिया ने टीजर की बहुत तारीफ की। उन्होंने टॉक्सिक के टीजर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और सिर्फ एक शब्द लिखा- डाइनामाइट। साथ में दो फायर इमोजी भी बनाए। उन्होंने फिल्म की कास्ट और टीम को टैग भी किया। आलिया के अलावा रितेश देशमुख, संदीप रेड्डी वांगा, राम गोपाल वर्मा और करण जौहर जैसे कई स्टार्स ने भी टीजर की प्रशंसा की है।

टीजर की शुरुआत एक अंतिम संस्कार के सीन से होती है, जहां कई लोग बंदूक लिए पहरा देते नजर आ रहे हैं। फिर एक कार आती है और सीन एक लड़के-लड़की के रोमांटिक सीन में बदल जाता है। अचानक धमाका होता है। वह आदमी बिना शर्ट के कार से बाहर निकलता है, काला कोट पहनता है और धुएं में सबको गोली मारता हुआ आगे बढ़ता है। पता चलता है कि वह यश हैं। आखिर में यश कहते हैं, पापा घर आ गए हैं। निर्माताओं ने टीजर के कैप्शन में लिखा, अपने खतरे को अच्छे से देख लो- पेश है राया...

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

टॉक्सिक एक गैंगस्टर फिल्म है। इसका निर्देशन गीतू मोहंदास ने किया है। प्रोडक्शन यश और वेंकट के. नारायण ने अपने बैनर और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस से किया है। यश और गीतू ने कहानी भी लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत मुख्य रोल में हैं।

थलापति विजय और प्रभास को पीछे छोड़ सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म की सफलता से फिल्म के कलाकारों की भी लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सिर्फ रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना ही नहीं बल्कि फिल्म की हीरोइन सारा अर्जुन को भी 'धुरंधर' की सफलता से फायदा मिला है। तभी सारा इस हफ्ते आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। इस मामले में उन्होंने प्रभास और थलापति विजय जैसे कई बड़े दिग्गजों को पीछा छोड़ा है। आईएमडीबी ने अपनी साप्ताहिक लोकप्रियता रैंकिंग जारी की। ये दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के पेज व्यू और यूजर एंगेजमेंट के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में सारा अर्जुन, जो पिछले हफ्ते दूसरे स्थान पर थीं, इस बार शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने इस मामले में थलपति विजय, प्रभास और अगस्त्य नंदा सहित भारतीय सिनेमा के कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस सफलता का श्रेय काफी हद तक धुरंधर को जाता है। आईएमडीबी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'इस सप्ताह की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में अपने पसंदीदा सितारों को पहचानें। यह सूची पॉपुलर इंडियन सेलेब्रिटीज द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो आईएमडीबी का एक साप्ताहिक फीचर है और इसमें विश्व स्तर पर ट्रेंड कर रहे भारतीय सितारों को दिखाया जाता है। अभिनेता, निर्देशक, सिनेमैटोग्राफर, लेखक और अन्य। हमेशा की तरह यह सूची दुनिया भर के 2 करोड़ से अधिक फैंस द्वारा तय की जाती है।'

थलापति विजय आठवें और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे

सारा के अलावा इस सूची में दूसरे नंबर पर 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर रहे, जो पिछले हफ्ते तीसरे नंबर पर थे। हफ्ते के अन्य लोकप्रिय स्टार्स की लिस्ट में थलापति विजय आठवें स्थान और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे।

करियर की शुरुआत में मैं टाइपकास्ट हो गया था, फिर मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने पसंद किया

इमरान हाशमी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने करियर की शुरुआत में लवर बॉय और सीरियल किसर के रूप में खूब शोहरत हासिल की। लेकिन फिर वक्त बदला तो अपने हुनर से गजब का इमेज मेकओवर भी किया। वाय चीट इंडिया, चेहरे, ग्राउंड जीरो, बाई ऑफ ब्लड, हक जैसे तमाम प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक सशक्त अभिनेता के रूप में पहचान दी। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि इमरान हाल के दिनों में पर्दे पर नेगेटिव किरदारों में भी खूब पसंद किए गए। फिर चाहे वह टाइगर 3 हो या फिर दे कॉल हिम ओजी, सिनेमा का यह सितारा हर रंग में दमका।

आपकी मम्मी क्रिश्चियन, पिता मुस्लिम और पत्नी हिंदू हैं, आप गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मैं इस गंगा-जमुनी तहजीब पर गर्व करता हूं। मेरे घर में मंदिर भी है और नमाज भी पढ़ी जाती है। मैं मानता हूं कि हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है, इसकी एक्सल्यूसिवनेस यानी समग्रता। माना कि हर एक किलोमीटर पर बोली और रहन-सहन बदल जाता है, मगर इसके बावजूद हम को-एग्जिस्ट करते हैं, तो यही हमारी सबसे बड़ी खूबी है। माना कि कई बार कॉनफ्लिक्ट्स होते हैं, मगर हम एक ऐसा देश है, जो अपनी एक्सल्यूसिवनेस के लिए जाना जाता है। एक सेक्युलर माइंडसेट के साथ लोग रहते हैं। हालांकि मेरा विश्वास सही है और आपका गलत, ये सोच तो कुछ लोगों में रहने ही वाली है, मगर एक बड़ी तादाद में लोग जिस तरह से मिल-जुलकर रहते हैं, वो शानदार है।

आपके बेटे अयान 15 साल के हो गए हैं, अब पिता के रूप में आपकी असुरक्षाएं क्या हैं?

एक कहावत है न कि आपको पिता होने की असुरक्षा का अहसास तब तक नहीं होता, जब तक आप पिता नहीं बनते, तो ये सही बात है। अब जब से मैं पिता बना हूं, तो उस डर को समझता हूं। अगर मैं बाहर हूं, तो ये खयाल डराता है कि वो क्या कर रहा होगा? स्कूल में है, तो अलग चिंता रहती है। आप जब ट्रैवल करते हैं, तब भी दिमाग बच्चे में लगा रहता है। मगर इन तमाम इनसिक्योरिटीज के बीच कोशिश यही रहती है कि अपने बेटे के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिता सकूं, हालांकि में शूटिंग में मसरूफ रहता हूं, मगर समय निकालने का प्रयास करता हूं। देखिए, जब तक बच्चे 18 साल के नहीं हो जाते, तब तक का वक्त बड़ा कीमती होता है। उसके बाद तो आपके पास 15-20 पर्सेंट ही वक्त बचता है। उसके बाद तो उनकी अपनी जिंदगी होती है। अलबत्ता अब तो 13 साल के बाद ही बच्चे अपनी चीजों में मसरूफ रहने लग जाते हैं, तो मैं सभी पैरेंट्स से कहूंगा कि बच्चे के 12 साल होने तक का आपके पास एक गोल्डन पीरियड है, उसे कैश कर लीजिए बच्चे के साथ समय बिताकर वरना आप बाद में पछताएंगे।

अगर मैं आपकी अभिनय यात्रा के बारे में कहूं, तो लवर बॉय और सीरियल किसर के रूप में शुरुआत करने के बाद अब आप अभिनेता के रूप में समृद्ध हो चुके हैं, इस ट्रांसफॉर्मेशन को कैसे देखते हैं?

इसका श्रेय मैं नहीं ले सकता। इसका क्रेडिट उन्हें जाना चाहिए, जिन्होंने मुझे उन अर्थपूर्ण कहानियों का हिस्सा बनाया। जब कोई फिल्मकार अपने कन्विक्शन के साथ मुझ पर दांव खेलता है, तो सेल्फिश एक्टर के रूप में उस मौके को झपट लेता हूं। सभी जानते हैं कि करियर की शुरुआत में तकरीबन दस साल तक मैं टाइपकास्ट हो गया था। मगर फिर मुझे लगा कि एक लंबी रेस का घोड़ा होना है, तो अलग-अलग किरदार जीने पड़ेंगे। मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने मुझे पसंद किया।

आम तौर पर दीपिका पादुकोण, तापसी पन्नू, विद्या बालन सरीखी कई अभिनेत्रियों को शिकायत रही है कि हीरोइन ओरिएंटेड फिल्म में बड़े स्टार्स काम नहीं करते, मगर अपनी पिछली फिल्म हक के नायिका प्रधान होने के बावजूद आप उसका हिस्सा बने?

अगर मुझे कहानी अच्छी लगे, अपना रोल पसंद आए, ये जानने को मिले कि परफॉर्मर के रूप में मैं कुछ अलग और नया कर पाऊंगा और निर्देशक के विजन से मैं इत्तफाक रखूं, तो फिर मैं उस रोल को करने से हिचकता नहीं। ये मैंने पहले भी किया है। मैं डर्टी पिक्चर में विद्या बालन के साथ था। मैं जानता हूं कि बहुत सारे हीरोज फीमेल ओरिएंटेड फिल्में करने से कतराते हैं। शायद उन्हें इनसिक्योरिटी लगती होगी या वो सोचते होंगे कि एक मेल प्रोटागोनिस्ट ही होना चाहिए। मगर इस फिल्म में मुझे अपनी भूमिका काफी दिलचस्प लगी। यह फिल्म एक चर्चित केस पर था और मुझे लगा कि अगर मैं इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनूंगा, तो शायद पछताऊंगा।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवाकर 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला भिलाई, दुर्ग, (छग)-490023 से प्रकाशित। संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।